आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 26 | अंक : 86 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, रविवार, 17 मार्च, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

शराब घोटाला: केजरीवाल को ईडी ने भेजा 9वां समन

पूछताछ के लिए 21 मार्च को किया तलब

नई दिल्ली (एजेंसी)। शराब घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। दिल्ली की निरस्त आबकारी नीति अनियमितता मामले की जांच कर रही प्रवर्तन निदेशालय सीएम केजरीवाल को 9वीं बार समन जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया है। जांच एजेंसी ने उन्हें 21 मार्च 2024 को हाजिर होने का निर्देश दिया है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि इस बार भी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पूछताछ के लिए ईडी के समक्ष पेश होते हैं या नहीं।

ईडी ने दिल्ली शराब घोटाला मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में पूछताछ के लिए एक बार फिर से तलब किया है। सीएम केजरीवाल को इससे पहले जांच

एजेंसी 8 बार समन भेज चुकी है, लेकिन वह एक बार भी एजेंसी के समक्ष सवालों का जवाब देने के लिए पेश नहीं हुए। ईडी ने एक बार फिर से उन्हें तलब किया है, ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि इस बार भी केजरीवाल पूछताछ के लिए एजेंसी के समक्ष हाजिर होते हैं या नहीं। बता दें कि अरविंद केजरीवाल कैबिनेट में डिप्टी सीएम रहे मनीष सिसोदिया और आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य और सीएम केजरीवाल के करीबी संजय सिंह इस मामले में फिलहाल जेले में बंद हैं।

जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को नौवीं बार समन जारी कर गुरुवार यानी 21 मार्च को पूछताछ के लिए बुलाया है। इससे पहले सीएम केजरीवाल को 8 बार समन भेजा गया था, लेकिन वह पूछताछ के लिए एक बार भी हाजिर नहीं हुए। दिल्ली की निरस्त शराब नीति घोटाला मामले में ईडी अरविंद केजरीवाल को अब तक 8 समन भेज चुकी है। केजरीवाल को 27 फरवरी, 26 फरवरी, 22 फरवरी, 2 फरवरी, 17 जनवरी, 3 जनवरी, 21 दिसंबर 2023 और 2 नवंबर 2023 को समन भेज गया था। हालांकि, वह एक बार भी पूछताछ के लिए पेश नहीं हुए हैं।

ईडी के समन पर सीएम केजरीवाल के हाजिर न होने का मामला कोर्ट में भी चल रहा है। शनिवार को कोर्ट ने उन्हें अदालत में फिजिकल पेशी से राहत दी थी। इस मामले में सीएम केजरीवाल की तरफ से शुक्रवार को दलीलें पूरी हो गईं। उनकी तरफ से रमेश गुप्ता ने दलील पेश की। वहीं, जांच एजेंसी की तरफ से ASG एसवी राजू वर्चुअल तरीके से पेश हुए। सीएम केजरीवाल के वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल ने हर समन में अपनी गैर-हाजिरी के लिए वैध कारण बताए हैं, इसलिए वह कार्यवाही पर रोक लगाने का अनुरोध कर रहे हैं। केजरीवाल के वकील ने कोर्ट के समक्ष कहा कि उन्होंने मुझे चेतावनी दी थी कि यदि वह समन भेजने के बाद भी हाजिर नहीं हुए तो उनके खिलाफ मुकदमा चलाया जाएगा। बता दें कि इस मामले की सुनवाई राउज एवेन्यू कोर्ट में सीबीआई के विशेष जज राकेश स्याल की अदालत में हुई।

सिद्धू मूसेवाला की मां ने दिया बेटे को जन्म

चंडीगढ़ (एजेंसी)। प्रसिद्ध पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला के घर एक बार फिर किलकारी गूंज उठी। उनकी मां चरण कौर ने बेटे को जन्म दिया है। मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह ने खुद इंस्टाग्राम पर अपने नन्हे बेटे की तस्वीर शेयर करते हुए यह जानकारी दी।

बलकौर सिंह ने अपनी पोस्ट में लिखा है, 'शुभदीप को चाहने वाली लाखों-करोड़ों आत्माओं के आशीर्वाद से, अनंत भगवान ने शुभ के छोटे भाई को हमारी गोद में डाल दिया है। भगवान के आशीर्वाद से परिवार स्वस्थ है और मैं सभी शुभचिंतकों के अपार प्यार के लिए आभारी हूं।' सिद्धू मूसेवाला का असली नाम शुभदीप सिंह सिद्धू था।

बता दें कि लोकप्रिय पंजाबी गायक मूसेवाला की साल 2022 में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वह अपने माता-पिता की इकलौती संतान थे। ऐसे में उनके माता-पिता ने परिवार के वारिस की खातिर आईवीएफ तकनीक के जरिये गर्भधारण का फैसला लिया था।

गौरतलब है कि 29 मई 2022 को पंजाब के मानसा जिले में मशहूर पंजाबी गायक शुभदीप सिंह सिद्धू उर्फ सिद्धू मूसेवाला की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस के मुताबिक, सिद्धू मूसेवाला के कत्ल में महिंद्रा बोलेरो और टोयोटा कोरोला दो मॉड्यूल का इस्तेमाल हुआ था। इस हत्या की जिम्मेदारी गोल्डी बरार और लॉरेंस बिश्नोई ने ली थी।

नोएडा की सीट पर तीन लाख युवा डालेंगे वोट, कुल वोट सवा 26 लाख

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर लोकसभा की सीट पर तीन लाख 30 हजार 289 युवा मतदाता वोट डालेंगे। नोएडा की सीट पर कुल 26 लाख 20 हजार रजिस्टर्ड मतदाता हैं। नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा को मिलाकर बनी गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट के 26 लाख मतदाताओं को अपनी-अपनी पार्टी तथा प्रत्याशी के पक्ष में मोड़ने के काम में जुट गए हैं। नोएडा की सीट को भाजपा का गढ़ माना जा रहा है। समाजवादी पार्टी तथा कांग्रेस के गठबंधन ने नोएडा सीट को जीतने की योजना बनाई है।

आपको बता दें कि नोएडा की लोकसभा सीट के नाम से पहचानी जाने वाली गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट पांच विधानसभा सीटों में फैली हुई है। इस सीट के तहत नोएडा, दादरी, जेवर, खुर्जा तथा सिकन्द्राबाद की विधानसभा सीट पड़ती है। नोएडा, दादरी तथा जेवर विधानसभा सीट गौतमबुद्धनगर जिले में आती है तो सिकन्द्राबाद तथा खुर्जा विधानसभा सीट बुलंदशहर जिले में आती है। दो जिलों में फैली नोएडा (गौतमबुद्धनगर) की सीट वर्ष-2009 में बनी थी। वर्ष-2009 से पहले इस लोकसभा सीट का नाम खुर्जा लोकसभा सीट हुआ करती थी।

तीन लाख 30 हजार युवा

नोएडा सीट पर युवा मतदाताओं की संख्या 3 लाख 30 हजार है। इन युवा मतदाताओं में पहली बार वोट डालने वाले 18 से 19 वर्ष तक की उम्र के 24223 युवा मतदाता तथा 20 से 29 वर्ष की उम्र के बीच वाले 3 लाख 6 हजार 66 युवा मतदाता हैं। इस प्रकार नोएडा सीट पर 16.71 प्रतिशत युवा मतदाता हैं। युवा मतदाताओं पर सभी राजनीतिक दलों की नजर रहेगी।

12 लाख महिलाएं नोएडा सीट पर

नोएडा (गौतमबुद्धनगर) सीट पर 11 लाख 98 हजार 280 महिला मतदाता हैं। इन महिला मतदाताओं में नोएडा विधानसभा क्षेत्र में 3 लाख 33 हजार 885 महिला मतदाता हैं। दादरी विधानसभा सीट पर तीन लाख 20 हजार 126 महिला मतदाता हैं। इसी प्रकार जेवर विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 68 हजार 508 महिला मतदाता हैं। खुर्जा विधानसभा क्षेत्र में एक लाख 86 हजार 282 महिला मतदाता हैं। सिकन्द्राबाद विधानसभा क्षेत्र में एक लाख 89 हजार 479 महिला मतदाता हैं।

सीएम योगी ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा को दी श्रद्धांजलि

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा की पुण्यतिथि पर आज श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम योगी ने योजना भवन स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, प्रयागराज की सांसद डॉ. रीता बहुगुणा जोशी, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र आदि मौजूद रहे।

वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्हें याद करते हुए लिखा कि प्रख्यात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. हेमवती नंदन बहुगुणा जी की पुण्यतिथि के अवसर पर विनम्र श्रद्धांजलि एवं उनकी स्मृतियों को कोटि-कोटि नमन।

10 साल में 28.56 प्रतिशत बढ़ा बीजेपी का मत प्रतिशत, बसपा का गिरता गया ग्राफ

नोएडा। खुर्जा से अलग होकर 2008 में अस्तित्व में आई गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी का मत प्रतिशत चुनाव दर चुनाव बढ़ रहा है। बीते 10 वर्षों में पार्टी का मत प्रतिशत 31.08 से बढ़कर 59.64 प्रतिशत पहुंच गया है। इस सीट पर 2009 में यह सीट बहुजन समाज पार्टी की झोली में आई थी तो 2014 से भाजपा के पास है।

2024 में भाजपा ने मौजूदा सांसद महेश शर्मा को ही फिर से मैदान में उतारा है तो समाजवादी पार्टी व कांग्रेस गठबंधन ने अभी अपना प्रत्याशी घोषित नहीं किया है। 2009 में भारतीय जनता पार्टी 31.08 प्रतिशत मतों के साथ दूसरे स्थान पर रही थी। बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी सुरेंद्र नागर ने भाजपा के डॉ. महेश शर्मा को 15,709 मतों से पटखनी दी थी। बसपा को 33.24 प्रतिशत मत मिले थे।

2014 में भाजपा को 50 प्रतिशत मत मिले और 2019 में यह आंकड़ा 59.64 प्रतिशत बढ़ गया। भाजपा के डॉ. महेश ने बसपा प्रत्याशी सतवीर नागर को 3,36,922 वोटों से हराया। दूसरी पार्टियों की बात करें तो 2009 में समाजवादी पार्टी का मत प्रतिशत 16.05 प्रतिशत रहा। पार्टी को 1,16,230 मत मिले। 2014 में यह बढ़कर 26.04 प्रतिशत बढ़ा और 2019 में गठबंधन में यह सीट बसपा के खाते में रही।

कांग्रेस की बात करें तो 2009 में पार्टी को 15.73 प्रतिशत मत मिले। 2014 में पार्टी प्रत्याशी मैदान छोड़ भाजपा में शामिल हो गए थे। ऐसे में पार्टी को मात्र 1.06 प्रतिशत मत मिले थे। 2019 में भी स्थिति यही रही तब पार्टी को 3.02 प्रतिशत मिले।

पार्टी सुप्रीमो मायावती का गृह जनपद होने से गौतमबुद्धनगर में बसपा का मजबूत जनाधार रहा है। अलग सीट बनने पर पहली बार बसपा ने जीत दर्ज की थी। विधानसभा में भी पार्टी जीत दर्ज करती रही, लेकिन

समय के साथ जिले में पार्टी का जनाधार खिसकता गया। एक-एक कर बड़े नेता पार्टी छोड़ते चले गए।

2009 में सीट जीतने के बाद 2014 में पार्टी प्रत्याशी सतीश कुमार मात्र 16.53 प्रतिशत मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। 2019 में पार्टी समाजवादी पार्टी से गठबंधन के बावजूद पार्टी प्रत्याशी सतवीर नागर 35.46 प्रतिशत ही मत प्राप्त कर पाए।

2009 में गौतमबुद्धनगर से जिले की राजनीति के दो दिग्गज सुरेंद्र नागर व डा. महेश शर्मा आमने-सामने थे। तब सुरेंद्र नागर बहुजन समाज पार्टी टिकट पर मैदान में थे और डॉ. महेश भाजपा के प्रत्याशी थे। कड़े मुकाबले में सुरेंद्र नागर ने डॉ. महेश शर्मा को 15,709 मतों से हराया था।

उस समय प्रदेश में भी बहुजन समाज पार्टी की सरकारी थी और सुरेंद्र नागर का जिले के साथ प्रदेश की राजनीति में भी मजबूत हस्तक्षेप था। साथ ही डॉ. महेश शर्मा के साथ संघ पृष्ठभूमि और पार्टी का जमीन कैडर होने के नाते संगठन का मजबूत था। ऐसे में हर मोर्चे पर कड़ी टक्कर देखने को मिली थी, लेकिन अंत में सुरेंद्र नागर बाजी मारने में कामयाब रहे थे।

26 लाख, 20 हजार वोटर हैं नोएडा सीट पर

आपको बता दें कि नोएडा लोकसभा सीट पर कुल 26 लाख, 20 हजार रजिस्टर्ड मतदाता हैं। इन मतदाताओं की विधानसभा वार बात की जाए तो सबसे ज्यादा 7 लाख, 59 हजार, 418 मतदाता नोएडा विधानसभा सीट पर रजिस्टर्ड हैं। दूसरे नम्बर पर ग्रेटर नोएडा क्षेत्र वाली दादरी विधानसभा सीट का नम्बर है। दादरी विधानसभा क्षेत्र में कुल 7 लाख, 4 हजार, 502 रजिस्टर्ड मतदाता हैं। जेवर विधानसभा क्षेत्र में तीन लाख, 67 हजार, 46 मतदाता, सिकन्द्राबाद क्षेत्र में 3 लाख, 97 हजार, 500 रजिस्टर्ड मतदाता तथा खुर्जा क्षेत्र में तीन लाख, 91 हजार, 574 रजिस्टर्ड मतदाता हैं। इस प्रकार पूरे नोएडा (गौतमबुद्धनगर) लोकसभा सीट पर कुल 26 लाख, 20 हजार मतदाता हैं।

लिफ्ट में 30 मिनट तक फंसे बुजुर्ग दंपति

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट और ग्रेटर नोएडा लिफ्ट में लोगों के फंसने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। यह हाल लिफ्ट एक्ट कानून आने के बाद भी जारी है। ताजा मामला ग्रेटर नोएडा की सेक्टर जीटा 1 स्थित एवीजे हाइट्स सोसायटी का है। यहां सोसायटी के एक टावर की लिफ्ट में बुजुर्ग दंपति करीब 30 मिनट तक फंसे रहे। काफी मशक्कत के बाद सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें बाहर निकाला। शनिवार को पीड़ित परिवार ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक सेक्टर जीटा 1 स्थित एवीजे हाइट्स सोसायटी में जसविंदर सिंह अपने परिवार के साथ के टावर में नौवीं मंजिल पर फ्लैट नंबर 904 में रहते हैं। वे बताते है कि शुक्रवार देर रात पत्नी के साथ कहीं बाहर से आए थे। बेसमेंट से लिफ्ट ली थी। लिफ्ट में आठवें फ्लोर पर झटका लगा। इसके बाद तेजी से नीचे जाने लगी। लिफ्ट झटके के साथ अचानक बेसमेंट में पहुंची। दंपति का आरोप है कि लिफ्ट में लगे सुरक्षा अलार्म ने भी काम नहीं किया। मोबाइल में नेटवर्क न होने पर किसी को कॉल भी नहीं कर पाया। इस बीच वहां से गुजर रहे एक व्यक्ति ने उनकी आवाज सुनी तो उसने सिक्योरिटी गार्ड को इसकी सूचना दी, जिसके बाद उन्हें बाहर निकलवाया।

पंजाब पुलिस की स्पेशल टीम और अपराधियों के बीच एनकाउंटर, एक पुलिसकर्मी शहीद

पंजाब (एजेंसी)। पंजाब पुलिस और अपराधियों के बीच में मुठभेड़ हुई। होशियारपुर में छापा मारने पहुंची सीआईए की टीप पर अपराधियों ने फायरिंग कर दी, जिसमें एक पुलिसकर्मी शहीद हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार पंजाब पुलिस को जानकारी मिली थी कि सीआईए की टीम होशियारपुर के मुकेरियां गांव में छापा मारने आ रही थी। मुकेरिया में सीआईए को राणा मंसूरपुर नाम के शख्स के पास अवैध हथियार रखने की सूचना मिली थी। जैसे ही टीम मुकेरिया पहुंची तो अपराधियों ने फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग के दौरान एक गोली सीआईए के स्टॉफ को लग गई, जबकि एक पुलिसकर्मी भी तीन गोलियां लगने से घायल हो गया।

घायल पुलिसकर्मी को तुरंत नजदीकी अस्पताल में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलती भारी संख्या में पुलिस बल घटनास्थल के लिए रवाना हो गया।

अदालती दरवाजे पर ये आंसू

आय प्रमाणपत्र की जरूरत पर आम आदमी के अधिकार अगर अदालत के दरपेश सरकारी कार्यसंस्कृति का निकम्मापन साबित हो सकते हैं, तो जनता की व्यथा का अंदाजा लगाया जा सकता है। माननीय हाई कोर्ट ने आनी के तहसीलदार की कार्यशैली पर प्रतिकूल टिप्पणी नहीं, बल्कि सरकारी व्यवस्था के कर्ताधर्ताओं पर गंभीर प्रश्न चिन्ह लगाए हैं। हैरानी यह कि तमाम गारंटियों, सुशासन के वादों और नित नए प्रयोगों के बावजूद ढर्रा वहीं का वहीं टिका है। एक महिला के आय प्रमाणपत्र के सत्यापन को मिलीं प्रशासनिक ठोकरें, यह लिहाज भी न कर पाईं कि इससे कार्यसंस्कृति, व्यवस्था व सरकार की बदनामी होगी और एक अधिकारी ने एडीएम कोर्ट के आदेश को कारपेट के नीचे छुपा दिया। जो कार्य 22 दिसंबर 2022 को निचले स्तर पर सामान्य प्रक्रिया में हो जाना चाहिए था, उसे सवा साल बाद उच्च न्यायालय के निर्देश पर हल करने का न्याय मिल रहा है। यहां वाजिब सवाल यही है कि प्रशासनिक प्रक्रिया के कायदे-कानूनों में इतनी शिथिलता आ गई है कि आम नागरिक को अदालती प्रक्रिया के उच्च स्तर ढूंढने पड़ेंगे। अगर इसी माथा रगड़ाई के चरित्र में हिमाचल का शासन-प्रशासन चलता रहा, तो अदालतों के दरवाजे पर समाज की जरूरतें आंसुओं से भीगी दिखाई देंगी। जाहिर तौर पर अदालत की टिप्पणी पर गौर फरमाते हुए प्रदेश सरकार को प्रशासनिक सुधारों की दृष्टि से हर दफ्तर को संवेदनशील, कार्यप्रणाली, पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए सुधारों व नियमों की नई परिपाटी स्थापित करनी होगी। बेशक पिछली सरकार ने जनमंचों की अंतहीन श्रृंखला खड़ी कर दी या मौजूदा सरकार ने 'सरकार गांव के द्वार' का अखंड पाठ शुरू कर दिया, लेकिन आनी प्रशासन के कान में अगर जूं तक नहीं रेंगी, तो ऐसे प्रपंचों की क्या आवश्यकता। अगर सरकार अदालतों में फंसे मामलों में आम नागरिक के अनुभवों का संज्ञान ले तो मालूम हो जाएगा कि व्यवस्था के सुराखों से कितना दर्द बह रहा है। आश्चर्य यह कि जो राज्य अपने चुनावी वादों से सत्ता के इरादों तक सिर्फ कर्मचारियों के हितों की बात करता है, उसके प्रशासनिक बिछौने पर इतने कांटे छिपे हैं। कमोबेश यही हाल सार्वजनिक सेवाओं, स्थानीय निकायों तथा विकास के कार्यों का भी है। हम दरअसल सियासी वर्चस्व में प्रशासनिक कामकाज और व्यवस्था का परचम देख रहे हैं और सत्ता की अदलाबदली में स्थानांतरण के हथियार से कर्मचारियों व अधिकारियों को सबक सिखाने की कोशिश करते हैं। हम एक ही पोशाक में राजनीति और प्रशासन को अनुशासित व सक्षम नहीं बना सकते। अभी हाल ही में जिन नौ विधायकों को अयोग्य घोषित किया गया, उनके विधानसभा हलकों के अधिकारियों-कर्मचारियों को बदलने का कारण यही हो सकता है कि प्रशासन अब नेताओं की मिलकीयत की तरह चलता है। इसलिए कई बार फरियादी को नागरिक न मानकर उसे सियासी अखाड़े में देखकर काम होता है। इसका एक और उदाहरण नगर निगम धर्मशाला की महापौर का स्मार्ट सिटी प्रशासन के टकराव में देखा जा सकता है। कायदे से स्मार्ट सिटी के तहत प्रशासनिक व्यवस्था का एक राष्ट्रीय स्वरूप, मानदंड व मानिटरिंग होनी चाहिए, लेकिन राजनीतिक अखाड़ेबाजी में नगर निगम के पार्षद या मेयर को अपनी मिलकीयत के तहत स्मार्ट सिटी परियोजनाओं का रुतबा चाहिए। विडंबना तो यह है कि आम आदमी को तो अपने लोकतांत्रिक अधिकारों तक की गारंटी नहीं, फिर उसे रोजमर्रा की जरूरतों से कौन निजात दिलाएगा। राजनीति की प्रशासनिक मिलीभगत का ही असर है कि हिमाचल की सरकारी कार्यसंस्कृति अब नेताओं की चाकरी में ऐसे अधिकारी पेश कर रही है, जो हर कदम पर बैसाखियां पहन कर चल कर खुद को सुरक्षित मान रहे हैं। स्थानांतरण नीति के अभाव में ईमानदार अधिकारी के लिए अपनी ईमानदार कार्यशैली या कर्त्तव्यपरायणता का उदाहरण पेश करने की एक कीमत है। ऐसे में अधिकांश अधिकारी किसी न किसी तरह अपने दायित्व के बजाय सियासी बॉस की इच्छाओं की रखवाली कर रहे हैं। नागरिक प्रताडऩा के दूसरी ओर अधिकारी प्रताडऩा का भय पैदा हो रहा है। सुशासन के लिए स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था की अपेक्षा करने के बावजूद जनता भी अब अपने तौर-तरीकों के मापतोल को सियासी बनाने को मजबूर दिखाई देती है, वरना लोग ऐसे मामलों में सडक़ों पर दिखाई देते।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि जिसका श्री रघुनाथजी के चरणों में अत्यंत प्रेम है, उसको कालधर्म (युगधर्म) नहीं व्यापते। हे पक्षीराज! नट (बाजीगर) का किया हुआ कपट चरित्र (इंद्रजाल) देखने वालों के लिए बड़ा विकट (दुर्गम) होता है, पर नट के सेवक (जंभूरे) को उसकी माया नहीं व्यापती॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0-हरि माया कृत दोष गुन बिनु हरि भजन न जाहिं।
भजिअ राम तजि काम सब अस बिचारि मन माहिं॥

श्री हरि की माया के द्वारा रचे हुए दोष और गुण श्री हरि के भजन बिना नहीं जाते। मन में ऐसा विचार कर, सब कामनाओं को छोड़कर (निष्काम भाव से) श्री रामजी का भजन करना चाहिए॥

तेहिं कलिकाल बरष बहु बसेउँ अवध बिहगेस।
परेउ दुकाल बिपति बस तब मैं गयउँ बिदेस॥

हे पक्षीराज! उस कलिकाल में मैं बहुत वर्षों तक अयोध्या में रहा। एक बार वहाँ अकाल पड़ा, तब मैं विपत्ति का मारा विदेश चला गया॥

गयउँ उजेनी सुनु उरगारी। दीन मलीन दरिद्र दुखारी॥
गएँ काल कछु संपति पाई। तहँ पुनि करउँ संभु सेवकाई॥

हे सर्पों के शत्रु गरुड़जी! सुनिए, मैं दीन, मलिन (उदास), दरिद्र और दुःखी होकर उज्जैन गया। कुछ काल बीतने पर कुछ संपत्ति पाकर फिर मैं वहीं भगवान्? शंकर की आराधना करने लगा॥

बिप्र एक बैदिक सिव पूजा। करइ सदा तेहि काजु न दूजा॥
परम साधु परमारथ बिंदक। संभु उपासक नहिं हरि निंदक॥

एक ब्राह्मण वेदविधि से सदा शिवजी की पूजा करते, उन्हें दूसरा कोई काम न था। वे परम साधु और परमार्थ के ज्ञाता थे, वे शंभु के उपासक थे, पर श्री हरि की निंदा करने वाले न थे॥

तेहि सेवउँ मैं कपट समेता। द्विज दयाल अति नीति निकेता॥
बाहिज नम्र देखि मोहि साईं। बिप्र पढ़ाव पुत्र की नाईं॥

मैं कपटपूर्वक उनकी सेवा करता। ब्राह्मण बड़े ही दयालु और नीति के घर थे। हे स्वामी! बाहर से नम्र देखकर ब्राह्मण मुझे पुत्र की भाँति मानकर पढ़ाते थे॥

क्रमशः

लोकसभा चुनावों में कांग्रेस इस बार उत्तर प्रदेश में सिमट सकती है शून्य पर

उत्तर प्रदेश की राजनीति में जिस कांग्रेस का हमेशा अपर हैंड रहता था, वह अब दूसरों के रहम-ओ-करम पर राजनीति करने को मजबूर हो गई है। प्रदेश में ना उसका वोट बैंक बचा है, ना नेता और संगठन। हाँ, यदि हवा-हवाई बातों से पार्टी को फायदा हो पाता तो जरूर यूपी में कांग्रेस टॉप पर होती, लेकिन ऐसा होता नहीं है। आज का मतदाता अपने नेताओं पर बारीकी से नजर रखता है। इस कसौटी में कांग्रेस की टॉप लीडरशिप और गांधी परिवार पूरी तरह से नाकामयाब रहा है। कांग्रेस के विधान सभा और लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के आंकड़े भी चुनाव-दर-चुनाव उसके जनाधार खिसकने के साक्षी हैं। यह गिरावट 1984 के बाद चार दशक में आई है। 1984 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस सभी 85 सीटों (तब उत्तराखंड की भी पांच सीटें शामिल) पर चुनाव लड़ी थी और 83 सीटों पर जीत हासिल की थी। भले ही तब पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद कांग्रेस के साथ जनभावनाओं का ज्वार था, जिसके सहारे पार्टी ने उत्तर प्रदेश में अपने प्रदर्शन के शिखर को छुआ। यह वह दौर था जब राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस का एकछत्र राज था और बीजेपी की एंट्री भर हुई थी, लेकिन उसकी राजनैतिक विचारधारा कांग्रेस से उलट थी। बीजेपी तुष्टिकरण की जगह हिन्दुत्व की बात करती थी। अयोध्या, काशी और मथुरा उसके एजेंडे में प्रमुख रूप से शामिल थे, जिससे कांग्रेस हमेशा किनारा करती रही थी। वहीं क्षेत्रीय दलों के रूप में समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी जातिवादी राजनीति को आगे बढ़ा रहे थे। प्रदेश की राजनीति में बदले समीकरणों ने जहां दूसरे दलों के लिए नई संभावनाएं जगाईं, वहीं कांग्रेस को अपनों से मायूसी ही मिलती गई। 1984 में 51.03 प्रतिशत वोट हासिल करने वाली कांग्रेस फिर ऐसे जनाधार को वापस नहीं हासिल कर सकी। आज उसका जनाधार दो प्रतिशत में सिमट गया है।

दरअसल, प्रदेश में सपा व बसपा के उदय के साथ ही कांग्रेस पीछे होती गई और भाजपा की प्रखर हिंदुत्व वाली छवि ने उसकी राह और मुश्किल कर दी। ब्राह्मण, दलित और मुस्लिम कांग्रेस के परंपरागत वोटर माने जाते थे। सपा के उदय के साथ मुस्लिम कांग्रेस से छिटक कर उसके पाले में चला गया। बसपा ने कांग्रेस के दलित वोट बैंक पर कब्जा कर लिया। कांग्रेस से मोहभंग के बाद ब्राह्मणों ने भाजपा का दामन थाम लिया। वर्ष 2000 में उत्तर प्रदेश से उत्तराखंड के अलग होने के बाद की बात की जाए तो कांग्रेस वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में 80 सीटों पर ल ?ी थी और 21 सीटों पर जीत हासिल की थी। पिछले ढाई दशक में यह कांग्रेस का सर्वाधिक उत्साहित करने वाला प्रदर्शन था। इसके पीछे कांग्रेस की मनरेगा व खाद्य सुरक्षा को लेकर नीतियों की बड़ी भूमिका मानी गई थी। कांग्रेस केंद्र में दोबारा सरकार बनाने में सफल हुई थी। इसके बावजूद कांग्रेस उत्तर प्रदेश में अपनी साख को बचाए रखने में कामयाब नहीं रही।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में बदले समीकरणों ने जहां दूसरे दलों के लिए नई संभावनाएं जगाईं, वहीं कांग्रेस को अपनों से मायूसी ही मिलती गई। 1984 में 51.03 प्रतिशत वोट हासिल करने वाली कांग्रेस फिर ऐसे जनाधार को वापस नहीं हासिल कर सकी।

उत्तर प्रदेश में अपना जनाधार बढ़ाने के लिय पार्टी ने कई प्रयोग भी किए। राहुल गांधी को यूपी में पैर पसारने के लिये खुली छूट दी गई, इसके नतीजे उत्साहवर्धक नहीं आये तो प्रियंका वाड्रा को प्रदेश का प्रभारी भी बनाया गया, लेकिन बूथ स्तर पर कमजोर हुई पार्टी के सामने कार्यकर्ताओं में पुराना जोश भरना सपना ही रहा। उधर, कांग्रेसी नेता आपस में टांग खिंचाई करते रहे, जिसकी वजह से पार्टी में अंतरकलह भी बढ़ता गया। 2014 लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में भाजपा की सरकार बनने के बाद कांग्रेस के लिए उत्तर प्रदेश में 2009 का अपना प्रदर्शन दोहराने को तरसती ही रही। नेहरू-गांधी परिवार का उत्तर प्रदेश से गहरा रिश्ता होने के बाद भी पार्टी खोया दमखम नहीं जुटा सकी। पिछले चुनाव में कांग्रेस रायबरेली की एकमात्र सीट पर ही जीत का स्वाद चख सकी थी। पिछले लोकसभा चुनाव में अमेठी से राहुल गांधी तक हार गये। जबकि रायबरेली की सांसद सोनिया गांधी अबकी बार सदन में जाने के लिये राज्यसभा सदस्य बन चुकी हैं। इस बार वह भी चुनाव नहीं लड़ेंगी। ऐसे में कांग्रेस के सामने उत्तर प्रदेश में अपनी खोई जमीन तलाशने के साथ ही परंपरागत सीट अमेठी व रायबरेली में अपनी साख को बचाए रखने की चुनौती से जूझ रही है। इससे निपटने के लिए पार्टी सपा से गठबंधन के तहत उसके हिस्से आईं 17 सीटों पर पूरी ताकत झोंकने की तैयारी में है। प्रदेश मुख्यालय में वार रूम की स्थापना की गयी है और अमेठी व रायबरेली समेत 17 लोकसभा सीटों के 34 हजार बूथों पर एजेंट जुटाए जा रहे हैं। वार रूम के सदस्य संजय दीक्षित के अनुसार, 17 लोकसभा क्षेत्रों में अब तक 18 हजार बूथ लेवल एजेंट नियुक्त किए जा चुके हैं। शेष को भी जल्द नियुक्त करने की प्रक्रिया चल रही है। इसके अलावा वार रूम के 10 डेस्क हेड भी बनाए गए हैं और सभी को आठ-आठ लोकसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी दी गई है। इस प्रकार सभी 80 लोकसभा सीटों पर बूथ स्तर पर संगठन को खड़ा किया जा रहा है। कुल मिलाकर यूपी से अपने नेताओं को संसद भेजने के लिये कांग्रेस को शून्य से सफर शुरू करना होगा और इसके लिये उसके सिर्फ 17 प्रत्याशी मैदान में होंगे। क्योंकि समाजवादी पार्टी ने गठबंधन धर्म निभाते हुए यूपी में कांग्रेस को 80 में से 17 सीटें देने के लायक ही समझा है।

- अजय कुमार

बीजेपी टिकट हासिल करने के लिए क्या करना होता है?

लोकसभा चुनावों से पहले भाजपा अबकी बार 400 पार का नारा लगा रही है। यह नारा हकीकत बनता है या नहीं यह तो चुनाव परिणाम बाद ही पता चलेगा लेकिन इतना तो है कि चुनावी तैयारियों के लिहाज से भाजपा इस समय अन्य दलों से काफी आगे नजर आ रही है। आम चुनावों की तारीखों की घोषणा से पहले भाजपा अपने उम्मीदवारों की दो सूची जारी कर चुकी है। इस दौरान देखने को मिला कि सिर्फ मीडिया ही नहीं बल्कि जनता भी भाजपा उम्मीदवारों की सूची में शामिल नामों को जानने के लिए उत्सुक थी। ऐसा प्रतीत हुआ कि भाजपा की उम्मीदवारी हासिल करना ही जीत की गारंटी है। शायद इसी गारंटी के लालच में ही चुनावों से पहले कई नेताओं ने दल बदल कर भाजपा का दामन थाम लिया तो कई ऐसे नेता भाजपा में लौट आये जोकि कुछ समय पहले कहीं और चले गये थे।

चुनावों से पहले जिस तरह भाजपा से लोकसभा चुनाव का टिकट हासिल करने के लिए होड़ दिखी वह अभूतपूर्व थी। हमने भाजपा के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में कई ऐसे लोगों को भी पाया जोकि भाजपा से जुड़े हुए नहीं थे लेकिन वहां इसलिए आ गये थे ताकि पार्टी नेताओं को देश के लिए काम करने के अपने विजन के बारे में बता कर उम्मीदवारी हासिल कर सकें। इन लोगों का विश्वास था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राज में भाजपा का टिकट हासिल करने के लिए वरिष्ठ नेताओं की परिक्रमा करनी जरूरी नहीं है और अब सिर्फ योग्यता के आधार पर ही किसी को उम्मीदवार बनाया जाता है। देखा जाये तो यह लोग कुछ हद तक सही भी थे लेकिन भाजपा के काम करने के तरीके से अनजान थे इसलिए जब वह सीधे लोकसभा चुनाव का टिकट मांग रहे थे तो वहां खड़े लोग मुस्कुरा रहे थे।

इसलिए आइये आपको समझाते हैं कि भाजपा आखिर किस आधार पर किसी को पार्टी का उम्मीदवार बनाती है। सबसे पहले तो आपको यह समझना होगा कि भाजपा चुनावों से ठीक पहले या चुनावों की घोषणा के बाद ही उम्मीदवारों की तलाश शुरू नहीं करती है बल्कि उसकी यह प्रक्रिया सतत रूप से चलती रहती है। मसलन जैसे अभी लोकसभा चुनाव होने हैं तो उसके लिए उम्मीदवारों के नामों पर मंथन डेढ़ साल से चल रहा है। अभी भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की जो दो बैठकें हुई हैं उनमें सिर्फ उन नामों पर मुहर लगाने का काम हुआ है जोकि पार्टी की विभिन्न समितियों ने केंद्रीय चुनाव समिति को तमाम तरह की रिपोर्टों के साथ संलग्न करके भेजे थे।

भाजपा आखिर किस आधार पर किसी को पार्टी का उम्मीदवार बनाती है। सबसे पहले तो आपको यह समझना होगा कि भाजपा चुनावों से ठीक पहले या चुनावों की घोषणा के बाद ही उम्मीदवारों की तलाश शुरू नहीं करती है बल्कि उसकी यह प्रक्रिया सतत रूप से चलती रहती है।

हमारे पास सूत्रों के हवाले से जो खबरें हैं उसके मुताबिक आइये आपको समझाते हैं जब भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक होती है तो उसमें क्या होता है। उदाहरण के लिए लोकसभा चुनावों की ही बात करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति वाली बैठक में पार्टी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्यों को सबसे पहले यह बताते हैं कि आज किन राज्यों की सीटों पर चर्चा होनी है। इसके बाद उस राज्य से भाजपा मुख्यालय में पहले से आकर बैठे हुए पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री या विधायक दल का नेता, राज्य के पार्टी प्रभारी और यदि किसी केंद्रीय मंत्री के पास उस राज्य का प्रभार है तो उनको भी बैठक में बुला लिया जाता है। मान लीजिये कि उस राज्य में 25 सीटें हैं। सबसे पहले उन सीटों पर चर्चा की जाती है जहां किसी को फिर से मौका देना है। प्रदेश अध्यक्ष एक-एक कर सीट का नाम बोलते हैं और बैठक कक्ष में मौजूद बड़ी स्क्रीन पर उस सीट के दावेदारों का परिचय फोटो के साथ एक-एक करके आता रहता है। सभी दावेदारों के आगे विभिन्न

सर्वेक्षणों की रिपोर्ट के अलावा यह भी लिखा होता है कि उन्होंने पार्टी के कार्यों में कितनी रुचि दिखाई, विवादों में कितना घिरे रहे, संसदीय कार्यों में कितनी रुचि ली, संसद में कितनी उपस्थिति रही, सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को जनता तक पहुँचाने के अभियान में क्या योगदान दिया, स्थानीय स्तर पर पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ कैसा व्यवहार रहा, संसदीय क्षेत्र में जो वादे किये थे उन्हें कितना पूरा किया। इसके अलावा उस क्षेत्र के राजनीतिक और सामाजिक समीकरणों से संबंधित ग्राफ के अलावा उस सीट पर विपक्ष की ओर से खड़ी की जाने वाली चुनौतियों पर चर्चा की जाती है। राज्य के नेता एक-एक करके हर दावेदार के नाम के गुण और दोष बताते हैं। उसके बाद भाजपा संगठन के राष्ट्रीय महासचिव उन एजेंसियों की सर्वेक्षण रिपोर्ट दिखाते हैं जो भाजपा ने उस क्षेत्र के संभावित प्रत्याशियों को लेकर करवायी होती है। वह यह भी बताते हैं आरएसएस और उसके आनुषांगिक संगठनों की ओर से उस क्षेत्र के प्रत्याशी के लिए क्या फीडबैक मिला है। इसके बाद केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य उन नामों पर अपनी राय रखते हैं और जो नाम तय होते जाते हैं उन्हें केंद्रीय चुनाव समिति के सचिव अलग से नोट करते रहते हैं। जिन नामों पर केंद्रीय चुनाव समिति का कोई सदस्य या खुद प्रधानमंत्री उस पर आपत्ति जता दें तो फिर पार्टी की प्रदेश इकाई को उस सीट के लिए और नाम सुझाने के लिए कहा जाता है। कई बार ऐसा भी होता है कि नामों पर चर्चा करने के लिए आई प्रदेश इकाई टीम को कह दिया जाता है कि किसी भी निवर्तमान सांसद या पहले लड़ चुके उम्मीदवार को इस बार मौका नहीं दिया जायेगा इसलिए सभी नाम नये होने चाहिए।

इसी तरह एक के बाद एक अलग राज्यों के नेताओं को बुला कर चर्चा की जाती है। मान लीजिये कि एक दिन में चार राज्यों पर चर्चा हुई तो उन चार राज्यों की जिन सीटों के लिए नाम तय हो गये हैं उसे जारी करने से पहले एक बार फिर से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को दिखाया जाता है और फिर मीडिया को नाम जारी कर दिये जाते हैं। हम आपको यह भी बता दें कि पार्टी की राज्यों की चुनाव समिति केंद्रीय चुनाव समिति में नाम भेजने से पहले सभी दावेदारों की सूची बनाती है। इस सूची में वह नाम तो होते ही हैं जो दावेदारों ने खुद आवेदन करके दिये होते हैं साथ ही इसमें वह नाम भी होते हैं जो भाजपा की स्थानीय इकाई, संघ और उसके आनुषांगिक संगठनों के पदाधिकारियों की ओर से भेजे गये होते हैं। इसके अलावा राज्यों में भाजपा के संगठन महासचिव या पूर्णकालिक कार्यकर्ता हमेशा इस बात की खोज करते रहते हैं कि समाज जीवन के जिस भी क्षेत्र में कोई व्यक्ति उल्लेखनीय कार्य कर रहा हो उसे कैसे पार्टी से जोड़ा जाये और समय आने पर उसे चुनाव लड़ने का अवसर भी दिया जाये, ऐसे में यदि वह कोई नाम सुझाते हैं तो उसे भी इस सूची में शामिल किया जाता है। इसलिए आपको भाजपा की सूची में कई बार विभिन्न क्षेत्रों के ऐसे प्रोफेशनल्स का नाम भी देखने को मिल जाता है जिन्होंने कभी टिकट के लिए आवेदन ही नहीं किया था। किसी राज्य के उम्मीदवारों को तय करते हुए यह भी ध्यान दिया जाता है कि वहां की सूची में अनुभवी नेताओं, युवाओं, महिलाओं, पार्टी के प्रति समर्पित कार्यकर्ताओं के साथ ही समाज के सभी वर्गों को पर्याप्त भागीदारी मिले।

भाजपा के टिकट के लिए एक और जरूरी बात यह है कि व्यक्ति पार्टी का सक्रिय सदस्य होना चाहिए। पार्टी की सामान्य सदस्यता तो सभी को मिल जाती है लेकिन सक्रिय सदस्यता हासिल करने के लिए कुछ अनिवार्यताएं हैं जिन्हें पूरा करना होता है। लेकिन अक्सर उन लोगों को इन अनिवार्यताओं से छूट मिल जाती है जो बड़े नेता होते हैं और दल बदल कर भाजपा में आते ही टिकट हासिल कर लेते हैं। ऐसे नेताओं को अक्सर आपने देखा होगा कि वह सामान्य सदस्यता वाली पर्ची मीडिया को दिखाते हुए खुद के भाजपा में शामिल होने की घोषणा करते हैं और अगले ही दिन या कुछ ही घंटों में उम्मीदवारी भी हासिल कर लेते हैं।

बहरहाल, भाजपा का टिकट हासिल करने की जो प्रक्रिया लोकसभा चुनाव में है वही विधानसभा और अन्य चुनावों में भी होती है। लोकसभा, विधानसभा, राज्यसभा और विधान परिषद के उम्मीदवारों को मंजूरी पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति देती है और नगर निगमों, नगर पालिकाओं और पंचायतों के उम्मीदवारों के नामों को उस प्रदेश की चुनाव समिति मंजूरी देती है। भाजपा की उम्मीदवारी हासिल करने में परिवारवाद, नेताओं की परिक्रमा और धन बल की योग्यता आजकल मायने नहीं रखती लेकिन उम्मीदवार का मेहनती और भाग्यशाली होना भी जरूरी है।

- नीरज कुमार दुबे

राशिफल

फाल्गुन कृष्ण पक्ष : अष्टमी | (विक्रम संवत् 2080)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
भाग्यवश कुछ काम बनेंगे। रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा। यात्रा में लाभ होगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
कोई रिस्क मत लीजिएगा, परेशानी वाला समय है। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
स्वास्थ्य में सुधार। जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
शत्रु परास्त होंगे। स्वास्थ्य थोड़ा नरम-गरम बना रहेगा। प्रेमस संतान की स्थिति बहुत अच्छी है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
मन परेशान रहेगा। प्रेम में तू-तू, मैं-मैं की स्थिति है। बच्चों की सेहत को लेकर भी मन परेशान रहेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी होगी। भौतिक सुख-संपदा में वृद्धि संभव है, लेकिन गृह-कलह भी संभव है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। अपनों का साथ होगा। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार अच्छा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
धन आगमन होगा। कुटुंब में वृद्धि होगी। निवेश करने से बचें और जुबान पर नियंत्रण रखें। बाकी स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार अच्छा है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। स्वास्थ्य में सुधार रहेगा। प्रेम,संतान का साथ होगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
उतार-चढ़ाव बना रहेगा। मन थोड़ा परेशानी में रहेगा। अज्ञात भय सताएगा। खर्च की अधिकता रहेगी। स्वास्थ्य ठीक-ठाक।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
आय में आशातीत बढ़ोतरी। यात्रा में लाभ। शुभ समाचार की प्राप्ति। स्वास्थ्य और प्रेम का साथ। व्यापार भी बहुत अच्छा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
स्वास्थ्य थोड़ा नरम-गरम चल रहा है। व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। बच्चे तरक्की करेंगे।

ग्रेटर नोएडा में हुई मोटो जीपी बाइक रेसिंग में घपले का आरोप

जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने की जांच की मांग

ग्रेटर नोएडा। मोटो जीपी 2023 के आयोजन में अनियमितता की जांच की मांग जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने की है। उन्होंने इस संबंध में मोटो जीपी बाइक रेसिंग के आयोजन के तीन माह बाद ही मुख्य सचिव को पत्र लिखकर सरकार की ओर से आयोजनकर्ता कंपनी को दी गई धनराशि व अनुबंध का ऑडिट कराने की मांग की थी।

इन्वेस्ट यूपी ने इस जांच के लिए यमुना प्राधिकरण को अधिकृत किया था, लेकिन अभी तक यमुना प्राधिकरण ने जांच नहीं की है। विधायक ने यमुना प्राधिकरण से जांच रिपोर्ट मांगी है। बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर सितंबर 2023 में पहली बार मोटो जीपी बाइक रेसिंग का आयोजन किया गया था। भारत में फेयर स्ट्रीट स्पोर्ट्स ने मोटो जीपी बाइक रेसिंग का आयोजन किया था।

इसके लिए प्रदेश सरकार ने फेयर स्ट्रीट स्पोर्ट्स के साथ अनुबंध किया और आयोजन के लिए 18 करोड़ रुपये दिए थे। विधायक ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर फेयर स्ट्रीट स्पोर्ट्स को दी गई धनराशि का ऑडिट और अनुबंध की शर्त के पालन की जांच कराने की मांग की है। विधायक ने कहा कि आयोजकों द्वारा बरती गई अनियमितता को देखते हुए जांच कराना जरूरी है।

आयोजनकर्ता कंपनी ने स्पेन की डोरना कंपनी को लाइसेंस शुल्क का 120 करोड़ रुपये भुगतान नहीं किया। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से यह राशि दिलाने की बात कहकर गुमराह किया जा रहा है। बाइक रेसिंग के लिए ट्रैक तैयार करने वाली कंपनी सॉलिटियर इंजीनियरिंग का छह करोड़, जेपी समूह का 14 करोड़, हाउस कीपिंग और सुरक्षा उपलब्ध कराने वाली कंपनी का पांच करोड़ समेत अन्य कंपनियों का भुगतान बकाया है।

सरकारी पैसे को आयोजनकर्ता कंपनी द्वारा हड़पने की आशंका को देखते हुए ऑडिट होना जरूरी है। विधायक के पत्र पर इन्वेस्ट यूपी के एसीईओ प्रथमेश कुमार ने यमुना प्राधिकरण को जमीनी जांच करने का आग्रह किया था, लेकिन अभी तक यह जांच पूरी नहीं हुई है। जानकारी के मुताबिक 2024 में मोटो जीपी बाइक रेसिंग के आयोजन को लेकर तैयारी शुरू हो चुकी हैं।

शासन स्तर से इस बार भी आयोजनकर्ता कंपनी को राशि जारी होने की संभावना है। फेयर स्ट्रीट स्पोर्ट्स के सीओओ पुष्कर नाथ का कहना है कि अधिकतर कंपनियों का बिल भुगतान किया जा चुका है। बिलों का सत्यापन कराया जा रहा है। कुछ कंपनियों ने अधिक राशि के बिल दिए थे, उन्हें सही कराकर भुगतान किया गया। कंपनियों को पचास से साठ प्रतिशत राशि एडवांस में ही दे दी गई थी।

पहली बार मोटो जीपी का देश में आयोजन हुआ। इसमें अपेक्षा से कम टिकट बिके। फेयर स्ट्रीट स्पोर्ट्स को आर्थिक नुकसान हुआ है। इसके बावजूद कंपनी सीईओ मीट के जरिये प्रदेश सरकार को 1360 करोड़ रुपये का निवेश अनुबंधन कराने में कामयाब रही है। इस बार आयोजन में दो से तीन हजार करोड़ रुपये निवेश अनुबंध का लक्ष्य रखा गया है।

एमबीबीएस के छात्रों को सीनियर्स ने डंडों से पीटकर किया घायल, 13 पर केस दर्ज

ग्रेटर नोएडा। दनकौर कोतवाली क्षेत्र स्थित यमुना एक्सप्रेस-वे के पास एक निजी विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले एमबीबीएस के दो छात्रों को मुर्गा नहीं बनने पर सीनियर्स ने डंडों व लात-घूंसों से पीटकर घायल कर दिया। पिछले दिनों से घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पीड़ित पक्ष के लोगों ने शनिवार को कोतवाली पहुंचकर 13 आरोपित छात्रों को नामजद करते हुए शिकायत की है।

ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर में रहने वाले ओमवीर भाटी ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि बेटा कुनाल दनकौर क्षेत्र स्थित एक निजी विश्वविद्यालय में एमबीबीएस प्रथम-वर्ष का छात्र है, जो विश्वविद्यालय परिसर स्थित हॉस्टल में रहता है। कुनाल के साथ उसके कमरे में एक अन्य छात्र भी रहता है।

12 मार्च की रात बेटा अपने रूम पार्टनर के साथ पढ़ाई कर रहा था। उसी दौरान विश्वविद्यालय में ही पढ़ने वाले करीब 13 छात्र उनके कमरे पर पहुंचे व खुद को सीनियर बताते हुए दोनों को मुर्गा बनने को कहा। दोनों ने विरोध किया तो इसी बात से गुस्साए आरोपितों ने पहले तो उन्हें लात-घूंसों से पीटा, बाद में डंडे से सिर पर हमला कर दोनों को घायल कर दिया।

हॉस्टल के सुरक्षा गार्ड ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पिछले कुछ दिनों से उनका इलाज चल रहा है। स्वास्थ्य में सुधार होने पर शनिवार को स्वजन ने आरोपित छात्रों को नामजद करते हुए पुलिस से शिकायत की है।

कोतवाली प्रभारी दनकौर संजय सिंह का कहना है कि पीड़ित पक्ष की शिकायत ले ली गई है। जिसके आधार पर जांच कर मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नोएडा प्राधिकरण से नहीं बनी बात अब 27 मार्च को महापंचायत

नोएडा (चेतना मंच)। सैक्टर-142 शहदरा गांव में किसानों के 64,7 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवज़ा, 10 प्रतिशत भूखण्ड, लीजबैक, पुनर्वास योजना व उच्चन्यायालय के स्टे के बावजूद भी किसान हातम सिंह भाटी की पुस्तैनी जमीन पर वर्षो पुरानी दुकानों को नोएडा विकास प्राधिकरण द्वारा तहस-नहस की कार्यवाही के विरोध में अपनी जायज मांगों को लेकर भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के नेतृत्व में किसानों का अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन लगातार 31 वें दिन भी जारी रहा। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने बताया है कि नोएडा विकास प्राधिकरण के ओएसडी महेन्द्र प्रसाद ने 21 फरवरी की किसानों की महापंचायत मै किसानों की मांगों के निस्तारण के लिए एक सप्ताह का समय लिया था। लेकिन कोई समाधान नही हुआ तो ओएसडी महेन्द्र प्रसाद से किसानों ने मुलाकात की फिर उन्होनें किसानों को 14 मार्च तक समस्याओ के निस्तारण का आश्वासन दिया फिर भी कोई समाधान नही हुआ राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी का कहना है कि प्राधिकरण के अधिकारी बार बार समय लेकर किसानों को गुमराह करने का काम कर रहे है। जिससे संगठन ने क्षुब्ध होकर 27 मार्च को धरनास्थल पर महापंचायत कर नोएडा-सैक्टर 141,142 मै किसानों की जमीनों पर बिल्डरों द्वारा हो रहे निर्माण कार्य को पूरी तरह से बन्द करने का निर्णय लिया है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा रेखा सिवाल, युवा उत्तर प्रदेश अध्यक्ष एंव प्रदेश प्रवक्ता विपिन खारी ,प्रदेश उपाध्यक्ष गिरीश भाटी, प्रदेश सचिव ऊधम नम्बरदार, प्रदेश सचिव श्रीपाल भाटी, जिलाध्यक्ष रामबीर भाटी, महानगर अध्यक्ष योगेश वैष्णव, पश्चिमी उत्तर अध्यक्ष संदीप भाटी, जिलाध्यक्ष मुरादाबाद फहीम मंसूरी, तहसील अध्यक्ष सोविदंर भाटी आदि सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

राशन की दुकानों पर लगी कार्ड धारकों की लाइन

- डिजिटल वेइंग मशीन की बिगड़ी चाल
- सर्वर न आने से परेशान हुए उपभोक्ता, सुबह से कर रहे थे इंतजार

दादरी। सरकार द्वारा वितरण किए जा रहे राशन की घटतौली को रोकने के लिए राशन की दुकानों पर लगाई गई डिजिटल वेइंग मशीन की चाल, खराब सर्वर के कारण बिगड़ी हुई पड़ी है। जिसके कारण राशन न मिलने से लोग मायूस होकर लौटे रहे है।

दादरी कस्बे में शुक्रवार को राशन डीलरों की दुकान पर सुबह से ही जमावड़ा लगना शुरू हो गया था लेकिन शुक्रवार को दोपहर के 12 बजे तक किसी भी राशन डीलर की मशीन में सर्वर ना आने के चलते लोग मायूस होकर लौट गए, शनिवार को भी वही सिलसिला जारी रहा। जिस कारण लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। शनिवार को सुबह 7 बजे से मात्र 35 से 40 कार्ड धरकों को राशन प्राप्त हुआ है। कार्ड धारकों ने बताया की वह लोग नौकरी का अवकाश करके आए हैं और घर में बच्चों के लिए खाना बनाने के लिए भी कोई मौजूद नहीं है। सरकार के नियम फॉलो करने में भारी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। राशन डीलर ने बताया किक राशन की दुकानों पर सुबह 3-15 बजे से ही राशन लेने के लिए लोग आ जाते, वेइंग मशीन में सर्वर ना आने से करीब 100 कार्ड ही निस्तारित होते है। दुकान पर तोल करने वाले को प्रतिदिन के हिसाब से 600 का खर्चा दिए जाने के कारण राशन डीलर भी भारी परेशानी का सामना कर रहे हैं।

इंस्पेक्टर अखिलेश दुबे से बात की गई तो उन्होंने बताया एनआई के सर्वर आधार के सर्वर और विभागीय सर्वर जब तक तीनों लिंक नहीं होते हैं तब तक मशीन नहीं चलती है इसके लिए काम किया जा रहा है। संभावना जताई जा रही है कि कुछ समय बाद सर्वर चल जाएंगे और लोगों की परेशानियों का अंत होगा।

महिला मित्र के फ्लैट में चोरी करने वाला गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख क्षेत्र में पुलिस ने एक चोरी की घटना का खुलासा किया है। पुलिस का दावा है कि वारदात को अंजाम देने वाला आरोपी फ्लैट की मालिक का ही दोस्त है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 9 लाख रुपये की नगदी, सोने, चांदी के आभूषण व फ्लैट की चाबी बरामद की है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है।

पुलिस के मुताबिक चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी को शनिवार सुबह इटेहरा गोल चक्कर से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान योगेश पुत्र चंद्रहास निवासी ग्राम सियाली गौसाई थाना गजरौला जिला अमरोहा के रूप में हुई है। दरअसल, एक महिला एसकेए ग्रीन आर्च सोसाइटी के जिनिया टावर में रहती है। आरोपी योगेश महिला का दोस्त है। इसीलिए उसका महिला के घर आना-जाना था। इस बीच आरोपी को महिला के घर की सभी जानकारी हो गई थी। आरोपी ने चोरी की वारदात को अंजाम देने के लिए उसने फ्लैट की दूसरी चाबी चोरी कर ली। 2 मार्च को महिला अपने परिवार के साथ बाहर गई हुई थी। इस बीच आरोपी ने दूसरी चाबी से फ्लैट का ताला खोलकर घर में रखी 9 लाख रुपये की नगदी और लाखों रुपये कीमत की सोने-चांदी की ज्वैलरी चोरी कर फरार हो गया।

वारदात को अंजाम देने के बाद योगेश अपने गांव सियाली गौसाई थाना गजरौला जिला अमरोहा भाग गया। वहां आरोपी ने अपने खेत पर ट्यूबल की दीवार के पीछे गड्ढा खोदकर नगदी और आभूषण को दबा दिया। जब महिला घर पहुंची तो उसे चोरी की घटना का पता चला।

थाना बिसरख के थाना प्रभारी अरविंद सिंह ने बताया कि वारदात के समय आरोपी सोसाइटी में सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया था। आरोपी ने मुंह पर कपड़ा बांधा हुआ था। इसके बाद सोसाइटी के आसपास लगे दूसरे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगालने पर आरोपी की पहचान हो गई। जिसके बाद पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर शत-प्रतिशत चोरी की नगदी और आभूषण बरामद की गई है।

सट्टा खिला रहे युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर 18 जेजे कॉलोनी में लोगों को सट्टा खिला रहे एक युवक को सेक्टर 20 थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस की टीम थाना क्षेत्र में गस्त कर रही थी। इस दौरान सूचना मिली कि जेजे कॉलोनी में एक युवक लोगों को 10 रुपए लगाने पर 100 देने का झांसा देकर उनको सट्टा खिला रहा था। आरोपी लोगों को एक पर्ची पर नाम लिख कर देता था। जिसके बाद उस पर्ची को डिब्बे में रखी पर्चियों में डाल कर उसमें से पर्ची निकालने की बात करता था। इस दौरान काफी लोगों से आरोपी ने सट्टे के नाम पर रुपये को हड़प लिया। मौके से पहुंची पुलिस की टीम ने आरोपी को रंगेहाथ पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम गुलशन निवासी जेजे कॉलोनी बताया। पुलिस ने आरोपी के पास से 4400 रुपये नगद और सट्टे की पर्ची को बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है।

जीएल बजार में 'विघटनकारी प्रौद्योगिकियों' पर सेमिनार आयोजि

दादरी (चेतना मंच)। जीएल बजाज कॉलेज में 'विघटनकारी प्रौद्योगिकियों' पर दो दिवसीय दूसरे अंतर्राष्ट्रीय आईईईई सम्मेलन का शुभारम्भ किया गया। इस सेमिनार का आयोजन कॉलेज के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के द्वारा किया जा रहा हैं।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी और एमएनआईटी इलाहाबाद के पूर्व प्रोफेसर बी.डी. चौधरी ने मुख्य अथिति और सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र जेएमआई नई दिल्ली के मानद, अतिरिक्त निदेशक प्रोफेसर तनवीर अहमद एवं राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज बिजनौर के निदेशक प्रोफेसर नीलेंद्र बादल ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लेकर सम्मलेन को संबोधित किया। सम्मेलन के अध्यक्ष एवं कॉलेज निदेशक प्रो. डा. मानस कुमार मिश्रा, सीएसई विभाग के अध्यक्ष प्रो. डा. संसार सिंह चौहान और सम्मानित अथितियों ने दीप प्रज्जवलन के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की। दिन के पहले सत्र में एकेटीयू, लखनऊ में आर एंड डी विभाग में औद्योगिक परामर्श के एसोसिएट डीन डॉ. अनुज कुमार शर्मा और अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर डॉ. रिजवान खान ने सम्बंधित विषय पर विशेष व्याख्यान दिया।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

इंजीनियर के घर से लैपटॉप चोरी

नोएडा । सेक्टर 15 में रहने वाले एक इंजीनियर के घर से अज्ञात बदमाशों ने लैपटॉप और अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया। पीड़ित ने मामले की शिकायत फेज वन पुलिस से की है। शिकायत में अनुज शुक्ला ने बताया कि बीते दिनों वह अपने घर के बाथरूम में थे और दरवाजा खुला हुआ था। इसी दौरान अज्ञात चोर घर के अंदर आया और लैपटॉप समेत अन्य सामान चोरी कर फरार हो गया। चोरों ने जो लैपटॉप बैग चुराया है, उसमें कई महत्वपूर्ण दस्तावेज भी थे। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बाइक सवार बदमाशों ने युवती का फोन छीना

नोएडा । सेक्टर 126 में बाइक सवार बदमाशों ने एक युवती का मोबाइल फोन छीन लिया। पीड़िता ने इसकी शिकायत सेक्टर 126 थाने में दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में दिल्ली के मीठापुर बदरपुर के रहने वाली कशिश ने बताया कि वह कंपनी के पास से गुजर रही थी। तभी बाइक पर सवार होकर आए अज्ञात बदमाशों ने उनका मोबाइल फोन छीन लिया। घटना के बाद उन्होंने काफी दूर तक बदमाशों का पीछा किया। लेकिन वह लोग काफी दूर निकल चुके थे। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में युवती की गई शिकायत दर्ज कर ली गई है। पुलिस की घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच कर रही है।

उत्तर मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना
ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना संख्या CEN00AGC0424
उप मुख्य इंजीनियर (निर्माण) आगरा, भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु **दो पैकेट सिस्टम (E-RA)** पर ऑन लाइन **(E-Tendering)** के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं। निविदायें दिनांक **10.04.2024** को **15.00** बजे तक **website http://www.ireps.gov.in** पर ऑन लाइन जमा की जा सकती है। निविदा के विवरण निम्नानुसार है-
कार्य का नामः धौलपुर सिरमथुरा के बीच में LC No. 6, 27 और प्रस्तावित ब्रिज नंबर 66 (in Detour) पर दो लेन ROB 1x24 मीटर स्टील गर्डर और पीएससी गर्डर के साथ का निर्माण गेज परिवर्तन कार्य के साथ।
अनुमानित लागतः ₹ 96.60 करोड़ (लगभग), **धरोहर राशिः** ₹ 49,80,200/-, **कार्य पूर्ण होने की अवधिः** 10 माह हार्वेस्ट एवं मानसून अवधि सहित। **निविदा खोलने का दिनांकः** 10.04.2024, **वैधता अवधिः** 90 दिन।
पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल की वेबसाइट **website https://www.ireps.gov.in** को देखे।।
441/24 FA
North central railways | @CPRONCR | @northcentralrailway | www.ncr.indianrailways.gov.in

खास खबर

सीएए के तहत नागरिकता के लिए असम से अब तक कोई आवेदन नहीं मिला : मुख्यमंत्री हिमंत

गुवाहटी, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को कहा कि नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के तहत भारतीय नागरिकता प्राप्त करने के लिए एक भी आवेदन उनके राज्य से अभी तक नहीं प्राप्त हुआ है। होजई में एक कार्यक्रम से इतर सरमा ने कहा कि जिन लोगों ने सीएए के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया, उन्हें 2019 में राज्य में सीएए विरोधी आंदोलन के दौरान लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया जाएगा। उन्होंने कहा कि असम से एक भी व्यक्ति ने नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के तहत आवेदन नहीं किया है, इसके विपरीत गुजरात में लोगों ने ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से नागरिकता प्राप्त की है। सरमा ने कहा, यह जानने के लिए पोर्टल पर पूछताछ करें कि कितने लोगों ने आवेदन किया है। असम से अभी तक एक भी आवेदन नहीं किया गया है। गुजरात में लोगों को (सीएए के तहत ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से) भारतीय नागरिकता मिल गई है। आवेदकों को सीएए के प्रावधानों के तहत नागरिकता के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपना अनुरोध प्रस्तुत करना आवश्यक है। सरमा ने सीएए विरोधी आंदोलन के दौरान हुई मौतों का जिक्र करते हुए कहा कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों को अपने कृत्यों के लिए जवाब देना होगा। उन्होंने कहा, इन पांच लोगों की जिंदगी के लिए अब कई लोगों को जवाब देना होगा। इस बीच, ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (एएएसयू) और 30 अन्य स्वदेशी, गैर-राजनीतिक समूहों सहित विभिन्न संगठनों ने विवादास्पद कानून के खिलाफ राज्य भर में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने सीएए के खिलाफ अपना शांतिपूर्ण प्रदर्शन जारी रखते हुए जिला मुख्यालय पर सत्याग्रह किया। सीएए के विरोधी सोमवार को इसके लागू होने के बाद से ही विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और चिंता जता रहे हैं कि यह 1985 के असम समझौते के प्रावधानों का उल्लंघन करता है।

रामपुर तिराहा कांड में 30 साल बाद मिला न्याय, पुलिसवाले भी दोषी

रामपुर, एजेंसी। रामपुर तिराहा कांड में पीड़िता को न्याय के लिए काफी लंबा इंतजार करना पड़ा। पीड़िता ने तीन दशक तक संघर्ष किया अब शुक्रवार को उसे इंसाफ मिला है। घटना के बाद पीड़ितों की मांग पर सीबीआई को जांच के आदेश दिए गए थे, जांच के बाद सीबीआई ने बंद लिफाफे में अपनी रिपोर्ट हाईकोर्ट को भेजी थी। रिपोर्ट पर संज्ञान लेने के बाद हाईकोर्ट ने मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए थे। इस मामले में 25 जनवरी 1995 को सीबीआई ने पुलिसकर्मियों और पीएसी के जवानों पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मार्च 2023 को सभी पुलिसकर्मी एडीजे-7 की कोर्ट में पेश हुए जिसके बाद सुनवाई में तेजी आई। इसके बाद पीड़िता को न्याय की उम्मीद जगी, अब लगभग 30 साल बाद पीड़िता को इंसाफ मिलने से अन्य मामलों में भी जल्द ही इंसाफ की उम्मीद जग गई है। सीबीआई के विशेष लोक अभियोजक धारा सिंह मीणा ने बताया कि रामपुर तिराहाकांड कांड में यूपी और उत्तराखंड में दर्ज 54 मुकदमों में लंबी विवेचना के बाद 30 मुकदमे में चार्जशीट दाखिल की गई थी। मुजफ्फरनगर में सात मुकदमे चले, जबकि अन्य मुकदमे उत्तराखंड के देहरादून, नैनीताल, यूपी के मुरादाबाद में चले। चार मुकदमे मुजफ्फरनगर कोर्ट में विचाराधीन हैं। जबकि सरकार बनाम मोती सिंह मामला मौत के बाद अक्तूबर 2012 व सरकार बनाम राजेन्द्र सिंह के दो मामले की फाइल 6 जनवरी 2024 को बंद कर दी गई है। उनकी भी मौत हो चुकी है। देहरादून,मुख्य संवाददाता। अलग राज्य की मांग को लेकर दो अक्तूबर 1994 को दिल्ली कूच के दौरान रामपुर तिराहा में हुई बर्बरता का सबसे ज्यादा शिकार चमोली और रुद्रप्रयाग के आंदोलनकारी हुए थे। क्योंकि, काफिले में सबसे आगे इन्हीं दो जिलों के वाहन चल रहे थे। यहां हुए पुलिसिया दमन की दास्तां आज भी आंदोलनकारियों के जेहन में ताजा होते ही उनकी आंखें भर आती हैं।

हाई-वे से रोप-वे तक, आचारसंहिता लगने से पहले मंत्रियों ने आधी रात ताबड़तोड़ मंजूर किए कई प्रोजेक्ट्स

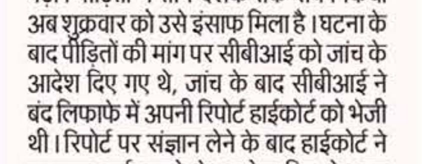

नईदिल्ली, एजेंसी। अमूमन जब आचारसंहिता लागू होती है, तब कोई भी विभाग नए प्रोजेक्ट को मंजूरी नहीं देती है। अगर कुछ जरूरी होता है तो चुनाव आयोग से अनुमति मिलने के बाद उसे हरी झंडी दी जाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए बीती रात केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के कई विभागों ने ताबड़तोड़ फैसले लिए और करोड़ों के प्रोजेक्ट्स मंजूर किए हैं। टीओआई की रिपोर्ट के मुताबिक, नितिन गडकरी के सड़क परिवहन मंत्रालय के अधीन आने वाले विभागों और एनएचएआई में शुक्रवार की देर रात तक कामकाज होता रहा। इस दौरान मंत्री गडकरी ने 1700 करोड़ रुपये की तीन हाई-वे प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। ये हाई-वे प्रोजेक्ट गुजरात, असम और कर्नाटक के लिए हैं। इनके अलावा मध्य प्रदेश में उज्जैन रेलवे स्टेशन से महाकालेश्वर मंदिर तक 189 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले रोप-वे को भी मंजूरी दी गई है।

पुराना गढ़ वापस पाने की कवायद में कांग्रेस भाजपा के सुरेश कश्यप से होगी टक्कर

शिमला, कांग्रेस की परंपरागत गढ़ रही शिमला लोकसभा सीट (आरक्षित) पर भाजपा ने मौजूदा सांसद सुरेश कश्यप को फिर चुनाव मैदान में उतारा है। सुरेश कश्यप दूसरी बार भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़ेंगे। सुरेश कश्यप प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष भी रहे हैं। सिरमौर जिला से ताल्लुक रखने वाले सुरेश कश्यप को जमीन से जुड़ा नेता माना जाता है। वह सिरमौर की पच्छाद सीट से दो बार भाजपा के विधायक भी रहे हैं। शिमला लोकसभा सीट पर पिछले एक दशक से भाजपा का कब्जा है। ऐसे में कांग्रेस कद्दावर और दमदार उम्मीदवार को टिकट देने के लिए मंथन कर रही है।

भाजपा के प्रभावशाली उम्मीदवार सुरेश कश्यप को टक्कर देने के लिए कांग्रेस मजबूत उम्मीदवार को खोजने में जुटी है। कांग्रेस मंथन कर रही है कि सुरेश कश्यप को घेरने के लिए सिरमौर से ही उम्मीदवार उतारा जाए। कांग्रेस के कद्दावर मंत्री और पूर्व सांसद धनीराम शांडिल और विधायक बिनोद सुल्तानपुरी इस सीट पर कांग्रेस की पहली पसन्द है। लेकिन विधानसभा में नंबर गेम के चलते कांग्रेस सिटिंग विधायक को चुनाव लड़ाने से बच रही है। ऐसा इसलिए कि छह कांग्रेस विधायकों के निष्कासन के कारण विधानसभा में कांग्रेस के विधायकों की संख्या 40 से घटकर 34 रह गई है। ऐसे में पार्टी नहीं चाहती कि किसी विधायक को चुनाव में झोंका जाए। कांग्रेस पूर्व विधानसभा उम्मीदवार दयाल प्यारी, पूर्व विधायक सोहन लाल, जिला परिषद सदस्य कुशल मूँगता और अमित नन्दा के नामों पर विचार विमर्श चल रहा है। यदि कांग्रेस दयाल प्यारी को मैदान में उतारती है तो मुकाबला बेहद रोचक हो जाएगा, क्योंकि भाजपा उम्मीदवार सुरेश कश्यप व दयाल प्यारी एक ही विधानसभा क्षेत्र पच्छाद से ताल्लुक रखते हैं।

16 नेता मांग रहे टिकट, हाईकमान कर रहा मंथन : शिमला संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस का टिकट मांगने वालों की होड़ लगी है। कांग्रेस का टिकट लेने के लिए 16 नेताओं ने आवेदन किया है। जिस पर हाईकमान मंथन कर रहा है। शिमला ग्रामीण से पूर्व विधायक सोहन लाल, ठियोग से सुरिंद्र सिंह बनोलटा, चौपाल से यशपाल तनाईक, ठियोग से मोहन लाल बनोलटा, मशोबरा से डॉ. अश्वनी कुमार, कोटखाई से मेघराज धांगटा, नाहन से गुरदयाल सिंह पंवर, बद्दी से एडवोकेट राम कुमार, शिमला ग्रामीण से धर्मिला हरनोट, पच्छाद से डॉ. पंकज मुसाफिर, जुब्बल से कौशल मुंगटा, रोहड़ू से सोहन लाल जिलटा, पझौता राजगढ़ से बीरेंद्र जालटा, ठियोग से बुद्धि राम जस्टा, शिमला से अमित नंदा और चौपाल से प्रेम डोगरा ने पार्टी टिकट के लिए आवेदन किया है।

सुक्खू सरकार के पांच मंत्रियों की होगी अग्निपरीक्षा : शिमला लोकसभा सीट पर सुक्खू सरकार के पांच मंत्रियों की अग्निपरीक्षा होगी। मंत्रियों पर अपने-अपने चुनावी हलकों में कांग्रेस उम्मीदवार को लीड दिलाने का दवाब रहेगा। 14 माह पहले हुए विधानसभा चुनाव में इस संसदीय क्षेत्र के 17 विधानसभा क्षेत्रों में 13 में कांग्रेस को जीत मिली है। वर्तमान में इस संसदीय क्षेत्र में भाजपा के तीन विधायक हैं। वहीं एक ने निर्दलीय चुनाव जीता था। निर्दलीय विधायक के एल ठाकुर ने हाल ही में हुए राज्यसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार के हक में वोट किया था।

यही नहीं, शिमला संसदीय क्षेत्र से सुक्खू सरकार में पांच मंत्री हैं, जबकि एक डिप्टी स्पीकर है। साथ ही दो मुख्य संसदीय सचिव भी हैं। पांच में से दो मंत्री हर्षवर्धन चौहान व विक्रमादित्य तेजतर्रार हैं। अन्य मंत्रियों में धनीराम शांडिल, रोहित ठाकुर और अनिरुद्ध सिंह हैं। इसके अलावा मुख्य संसदीय सचिव संजय अवस्थी और राम कुमार को भी अपने हलकों में कांग्रेस को बढ़त दिलवाने की चुनौती होगी। शिमला लोकसभा सीट पर जातीय समीकरण आरक्षित शिमला संसदीय क्षेत्र में अनुसूचित जाति व जनजाति का बोलबाला है। संसदीय क्षेत्र की कुल जनसंख्या का 26.51 फीसदी हिस्सा अनुसूचित जाति से संबंधित है। सिरमौर जिले के बड़े इलाके में अनुसूचित जनजाति के लोग रहते हैं। सोलन में 28.35 फीसदी अनुसूचित जाति, जबकि 4.42 फीसदी लोग अनुसूचित जनजाति के हैं। सिरमौर में 30.34 फीसदी अनुसूचित जाति के लोग हैं।

रैडबस की रिपोर्ट अनुसार भारत में 67 फीसदी ऑनलाईन बस टिकट बुकिंग हो रही है

दिल्ली, एजेंसी। भारत बस ट्रांसपोर्ट क्षेत्र में पहली बार, दुनिया के सबसे बड़े ऑनलाईन बस टिकट प्लेटफॉर्म रैडबस ने भारतीय इंटरसिटी बस उद्योग पर डेटा-आधारित रिपोर्ट इंडिया बस ट्रैक की घोषणा की है। यह पहली रिपोर्ट नवम्बर और दिसम्बर 2023 में भारतीय बस उद्योग के समग्र रूझानों पर रोशनी डालती है। ज़्यादातर डेटा देश के सम्पूर्ण बस उद्योग का विस्तृत दृष्टिकोण पेश करते हैं, और डेटा के कुछ भाग रैडबस के गहन रूझानों को दर्शाते हैं, जो ऑनलाईन इंटरसिटी बस बुकिंग्स में अग्रणी स्थिति पर है। रैडबस की ओर से पहली डेटा-आधारित रिपोर्ट इंटरसिटी बस क्षेत्र की व्यापक व्याख्या प्रस्तुत करती है। गौरतलब है कि रैडबस सार्वजनिक परिवहन द्वारा देश की इनलैण्ड यात्रा का 51 फीसदी हिस्सा बनाता है। यह रिपोर्ट बस ट्रांसपोर्ट क्षेत्र पर डेटा-आधारित सम्पूर्ण दस्तावेज है, जो प्राइवेट बस ऑपरेटरों, राज्य स्वामित्व के बस ऑपरेटरों सरकार एवं आम जनता को इस क्षेत्र की बारिकियों को समझने में मदद करेगी। इंडिया बस- ट्रैक में मांग, आपूर्ति, भोगौलिक स्थिति, यात्रा के रूझान, लिंग अनुपात सहित सभी पहलुओं को शामिल किया गया है, इसे हर तीन महीने में उन्नत किया जाएगा। ऐसे में यह पाठकों के लिए बेहद फायदेमंद साबित होगी। रिपोर्ट का ज़्यादातर हिस्सा न सिर्फ रैडबस प्लेटफॉर्म्स की सेल्स बल्कि पूरे बस मार्केट से जुडे आंकड़े प्रस्तुत करता है। इस रिपोर्ट में संगठित प्राइवेट बसें शामिल हैं, जो डिजिटल रूप से रैडबस से जुड़ी हैं।

62 फीसदी यात्रियों ने वातानुकूलित बसों को चुना, इससे स्पष्ट है कि यात्री आरामदायक यात्रा को प्राथमिकता देते हैं। 50 फीसदी यात्रियों ने स्लीपर बसों और 33 फीसदी ने हाइब्रिड विकल्पों को चुना। सबसे ज़्यादा यात्री शुक्रवार को यात्रा करते हैं। लेकिन हैरानी की बात यह है कि गुरूवार को यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या शनिवार और रविवार से भी अधिक है। मंगलवार को सबसे कम यात्री यात्रा करते हैं। 82 फीसदी बस यात्रा के साथ महाराष्ट और गोवा सबसे आगे हैं, वहीं मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सबसे कम 67 फीसदी के आंकड़े पर हैं। देश भर में बस अधिग्रहण की दर 77 फीसदी है। रैडबस प्लेटफॉर्म पर युवा यात्रियों की संख्या सबसे ज़्यादा है ।

वनप्लस ने गुरुग्राम में पहला एक्सपीरियंस स्टोर लॉन्च किया

गुरुग्राम, ग्लोबल टेक्नोलॉजी ब्राण्ड वनप्लस गुरुग्राम में अपना पहला वनप्लस एक्सपीरियंस स्टोर लॉन्च किया है। यह 2024 में लॉन्च होने वाले वनप्लस एक्सपीरियंस स्टोर्स के पहले सेट में से एक है। यह अत्याधुनिक वनप्लस एक्सपीरियंस स्टोर 303, ग्राउंड फ्लोर, काफ़ कोन्सेप्ट्स, सेक्टर- 29, मेन मार्केट, गुरुग्राम में स्थित है।

मुख्य रूप से भारत के टीयर 2 और टीयर 3 बाजारों में अपनी मौजूदगी को बढ़ाने के लिये वनप्लस की रणनीतिक कोशिशों पर जोर देती है।

वनप्लस इंडिया के निदेशक रणजीत सिंह ने कहा, ''हम गुरुग्राम में अपने पहले वनप्लस एक्सपीरियेंस स्टोर का शुभारंभ करते हुए रोमांचित हैं। गुरुग्राम में एक बड़ी वनप्लस कम्युनिटी है और हम उस कम्युनिटी के सदस्यों को इस नये एक्सपीरियंस स्टोर के माध्यम से वनप्लस का मशहूर प्रीमियम अनुभव देना चाहते हैं। गुरुग्राम में हमारे नये वनप्लस एक्सपीरियंस स्टोर से यूजर्स को वनप्लस के प्रीमियम प्रोडक्ट इकोसिस्टम का सीधा अनुभव मिलेगा।''

नये वनप्लस एक्सपीरियंस स्टोर में ग्राहक वनप्लस के नये डिवाइसेस भी खरीद सकते हैं। इनमें नई लॉन्च हुई फ्लैगशिप वनप्लस 12 सीरीज और नई वनप्लस वॉच 2 शामिल है।

उद्धव गुट के साथ गठबंधन का सवाल नहीं, राज ठाकरे से परहेज नहीं -देवेंद्र फडणवीस

नई दिल्ली/मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को पिछली महा विकास अघाड़ी सरकार के कामकाज पर सवाल उठाते हुए कहा कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी का शिवसेना-उद्धव ठाकरे गुट के साथ समझौते का कोई सवाल ही नहीं उठता है, हालाँकि उन्होंने राज ठाकरे के मनसे के साथ सीट शेयरिंग की संभावना से इनकार नहीं किया।

एक इंटरव्यू में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई में जो काम अब हो रहे हैं, वे 20 साल पहले होने चाहिए थे। उन्होंने कहा, एक बड़ा काम दिखा दीजिए जो उद्धव ने किए। हमने बुलेट ट्रेन पर बुलेट की तरह काम किया, उद्धव ने रोका।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा-शिंदे नीत शिवसेना-राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी (अजित पवार) गठबंधन के बीच राज्य की 80 प्रतिशत सीटों के लिए सहमति बन गई है।

इस बार भाजपा सीटों का रिकॉर्ड तोड़ेगी। हालाँकि उन्होंने यह भी कहा कि वह स्वयं लोक सभा चुनाव नहीं लड़ेंगे।इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव के बारे में फडणवीस ने स्पष्ट किया कि चुनाव मुख्यमंत्री शिंदे के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा। राज ठाकरे के मनसे के साथ गठबंधन की संभावना पर भाजपा नेता ने कहा कि उनसे बातचीत नहीं चल रही है, लेकिन गठबंधन से इनकार भी नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा अभी सीएम की कुर्सी पर दावा नहीं करेगी। चुनाव के बाद हालत देखकर फैसला करेगी। उन्होंने कहा कि विपक्षी एमवीए गठबंधन से जो आना चाहें उनका स्वागत है।शिंदे सरकार के विकास कार्यों के बारे में डिप्टी सीएम ने कहा कि धारावी में 2011 के बाद बसे ऐसे लोगों को भी सरकार घर देगी जो पात्र नहीं हैं। उन्होंने कहा कि रेस कोर्स की कुछ जमीन पर देश का सबसे बड़ा सेंट्रल ग्रीन पार्क बनेगा जो 300 एकड़ में होगा। मुंबई-एमएमआर क्षेत्र में 375 किलोमीटर का मेट्रो नेटवर्क बन रहा है।चुनावी चंदे पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर टिप्पणी से इनकार करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हिसाब इसलिए मिल रहा है क्योंकि इलेक्टोरल बॉन्ड भाजपा सरकार लेकर आई थी।

भाजपा की कोशिश चुनाव में काला धन रोकने की थी।फडणवीस ने कहा कि भाजपा ईडी नहीं काम के भरोसे राजनीति करती है। गरीब जानता है कि मोदी ही उनका भला कर सकता है। महाराष्ट्र में मोदी 360 डिग्री का ब्रांड है। राज्य के हर तबके पर मोदी का असर है।उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र में इस बार 40 का रिकॉर्ड टूटेगा। चुनावी गणित नहीं चुनावी केमिस्ट्री काम करेगी और सारे चुनावी पंडित इस बार गलत साबित होंगे।मराठा आरक्षण के बारे में उन्होंने कहा कि ढाई करोड़ परिवारों का सर्वे हो गया है। उम्मीद है कि कोर्ट मराठा आरक्षण मंजूर करेगा।

जीन्स-टीशर्ट पहन स्कूल न आएं टीचर्स, महाराष्ट्र में लागू हुआ ड्रेस कोड; अध्यापकों में नाराजगी

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में टीचर्स के लिए नया ड्रेस कोड लागू किया गया है। इसके तहत अब उन्हें साड़ी, सलवार और शर्ट-पैंट में ही स्कूल आना होगा। जीन्स और टी-शर्ट पहनने की अनुमति नहीं होगी। यह फैसला पूरे महाराष्ट्र में छात्रों के बीच अध्यापकों की इमेज को बेहतर करने के लिए किया गया है। प्रदेश के शिक्षा विभाग ने इसे सभी शिक्षकों के लिए अनिवार्य कर दिया है। 15 मार्च को जारी हुए दिशा-निर्देश के मुताबिक महिला अध्यापक साड़ी, सलवार या चूड़ीदार और कुर्ता पहन सकती हैं। वहीं, पुरुष अध्यापकों को शर्ट और ट्राउजर पहनना होगा। इसमें भी ग्राफिक डिजाइन वाले शर्ट्स पहनने पर भी पाबंदी रहेगी। वहीं, अध्यापकों के बीच इस फैसले को लेकर नाखुशी है।

गरिमा का हवाला : शिक्षा मंत्री दीपक केसरकर ने इस पहल के महत्व पर जोर दिया। शिक्षा मंत्री के मुताबिक अब से प्रदेश के सभी शिक्षकों को डॉक्टरों की तर्ज पर टीआर टाइटल दिया जाएगा। महाराष्ट्र सरकार के स्कूल शिक्षा विभाग के सहयोग से लिए गए इस निर्णय का उद्देश्य टीचर्स के बीच प्रोफेशनलिज्म का भाव लाना है। साथ

ही टीचिंग से जुड़ी आस्था की भावना को बनाए रखना है। सर्कुलर के मुताबिक अध्यापकों को भविष्य निर्माता माना जाता है। समाज में उनकी छवि गुरु की है। यह वर्ग छात्रों के एकेडमिक और पर्सनल डेवलपमेंट में अहम भूमिका निभाते हैं। उनके कपड़े भी इसी गरिमा के अनुरूप होने चाहिए। सर्कुलर में यह भी कहा गया है कि स्कूल अपने हिसाब से भी टीचर्स के लिए ड्रेस कोड चुन सकते हैं। हालांकि यह ध्यान रखना होगा कि शर्ट का कलर लाइट और ट्राउजर का कलर डार्क होना चाहिए। इस बीच अध्यापक वर्ग में इस फैसले को लेकर नाराजगी है। टीचर एक्टिविस्ट भाऊ साहेब चास्कर ने कहाकि अध्यापकों को विशेष रंग यूनिफॉर्म पहनने के लिए बाध्य करना तर्कसंगत नहीं है। इस तरह का परिवर्तन करके सरकार हासिल क्या करना चाहती है। उन्होंने कहाकि पूर्व में कुछ जिला परिषद भी ऐसे फैसले ले चुकी हैं। जब टीचर्स यूनियन ने इसे कोर्ट में चुनौती दी तो फैसला टिक नहीं पाया। एक टीचर्स यूनियन, शिक्षक परिषद के मुंबई ऑफिस के कार्यकर्ता शिवनाथ दरादे ने सवाल उठाया कि क्या सरकार लोगों को यूनिफॉर्म की धुलाई के लिए वॉशिंग मशीन अलाउंस देने वाली है।

राहुल गांधी की न्याय यात्रा की समापन रैली में उद्धव, पवार, अखिलेश समेत कई नेता होंगे शामिल

मुंबई, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की अगुवाई वाली भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन के अवसर पर रविवार को आयोजित होने वाली रैली में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत इंडिया गठबंधन के कई घटक दलों के नेता शामिल होंगे। महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय वडेट्टीवार ने पीटीआई-भाषा को बताया कि स्टालिन, अखिलेश यादव और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने 17 मार्च को मुंबई के दादर इलाके के शिवाजी पार्क में होने वाली रैली में शामिल होने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि रैली में आम आदमी पार्टी और विपक्षी गठबंधन के कुछ अन्य घटक दलों के प्रतिनिधि भी भाग लेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार भी इस जनसभा में शामिल होंगे। वडेट्टीवार ने कहा, शनिवार को लोकसभा चुनाव की घोषणा की जाएगी, इसलिए भारत जोड़ो न्याय यात्रा की समापन रैली का खर्च हमारे चुनाव खर्च में दिखाया जाएगा। राहुल गांधी गांधी की यात्रा शनिवार दोपहर मुंबई पहुंचेगी। यात्रा फिलहाल महाराष्ट्र के पालघर जिले में है।

जिनकी आबादी 88 प्रतिशत, विभिन्न क्षेत्रों में उनकी भागीदारी बहुत ही कम : वहीं, राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया कि भारत की 88 प्रतिशत आबादी अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), दलित,

आदिवासी और पिछड़े समुदायों से है लेकिन प्रशासन, न्यायपालिका और मीडिया सहित विभिन्न क्षेत्रों में उनकी भागीदारी बहुत कम है। उन्होंने अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान महाराष्ट्र के पालघर जिले के वाडा तालुका में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश की सत्ता और संपत्ति को वह लोग नियंत्रित कर रहे हैं जिनकी कुल आबादी छह प्रतिशत है। केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य ने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा शुरू की गई फसल बीमा योजना से किसानों को नहीं, बल्कि निजी बीमा कंपनियों को फायदा होता है। उन्होंने कहा कि जब बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान होता है।

अयोग्य हो जाएंगे हिमाचल में भाजपा के 9 विधायक ? मिला नोटिस

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश विधानसभा सचिव यशपाल शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नौ विधायकों को शिकायत के आधार पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इस मामले में 9 विधायकों पर अयोग्यता का भी खतरा मंडरा रहा है। ऐसे राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी भाजपा के बीच राजनीतिक गतिरोध जारी है और निकट भविष्य में इसके सुलझने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। नाहन के कांग्रेस विधायक अजय सोलंकी ने सदन के कामकाज पर नियम 79 के तहत स्पीकर कुलदीप सिंह पठानिया के समक्ष शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने हाल के बजट सत्र के दौरान सदन के अंदर और अध्यक्ष के चेंबर में कथित तौर पर हिंसा और अनुशासनहीनता में शामिल होने के लिए भाजपा के नौ विधायकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। हिमाचल प्रदेश विधानसभा सचिव ने कहा कि शिकायत के आधार पर नौ भाजपा विधायकों - ऊना से सतपाल सत्ती, नाचन से विनोद कुमार, चुराह से हंसराज, बंजार से सुरेंद्र शौरी, सुलह से विपिन परमार, त्रिलोक जम्वाल, बिलासपुर, बल्ह से इंद्र सिंह गांधी, आनी से लोकेंद्र कुमार और करसोग से दीपराज को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। नौ भाजपा विधायकों को 18 मार्च तक लिखित रूप में या अपनी

व्यक्तिगत उपस्थिति के माध्यम से अपनी स्थिति स्पष्ट करने के लिए कहा गया था। राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने कहा कि अगर नौ भाजपा विधायकों ने जवाब नहीं दिया तो अध्यक्ष उन्हें निलंबित कर सकते हैं या अयोग्य घोषित कर सकते हैं। सोलंकी ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि इन भाजपा विधायकों ने सदन के अंदर और अध्यक्ष के कक्ष में भी हंगामा किया था, विधानसभा कर्मचारियों से महत्वपूर्ण कागजात छीने और उन्हें सदन में फाड़ दिया। जब आंदोलनकारी विधायकों को सदन से बाहर निकालने का आदेश जारी किया गया तो उन्होंने मार्शलों के साथ धक्का-मुक्की भी की। कांग्रेस विधायक ने कहा कि इस पूरे प्रकरण की वीडियो क्लिपिंग विधानसभा रिकॉर्ड में भी उपलब्ध है और विधायकों का व्यवहार अक्षम्य है। इस मामले पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि इन विधायकों के खिलाफ संविधान के अनुच्छेद 194 के तहत सदन की अवमानना ?के तहत कार्यवाही की जाए। विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर पहले ही इसे बदले की राजनीति की कार्रवाई करार दे चुके हैं और कहा है कि अगर जरूरी हुआ तो उनकी पार्टी इस मामले में कानूनी विकल्प तलाशेगी। पार्टी व्हिप की अवहेलना करते हुए वित्तीय विधेयकों को पारित करने जैसे महत्वपूर्ण कार्य के दौरान सदन से अनुपस्थित रहने के कारण छह कांग्रेस विधायकों को अध्यक्ष द्वारा अयोग्य घोषित कर दिया गया था। कांग्रेस के इन छह विधायक और तीन निर्दलीय विधायक सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए भाजपा में शामिल हो गए, लेकिन छह कांग्रेस विधायकों को अयोग्य घोषित कर दिया गया।

दुनिया के असली अजूबे

दोस्तों, हमारी दुनिया रहस्यों से भरी है। तुम जिस चीज की कल्पना भी नहीं कर सकते, ऐसे स्थान और चीजें इस धरा पर हैं। इन्हें कुदरत का करिश्मा कहें, तो शायद गलत नहीं होगा। ऐसे पेड़, जिन्हें देखकर लगता है जैसे प्रकृति ने पेंटिंग कर दी हो, ऐसा समुद्र जो तारों की चादर ओढ़ लेता है रात में, रेत ऐसी, जिसने इंद्रधनुष को खींच लिया हो आसमां से...
ऐसी ही जगहों के बारे में जानते हैं...

पत्थर तोड़ोगे तो निकलेगा खून

अक्सर हम सभी यही मानते हैं कि पत्थरों के अंदर जीवन नहीं होता। मगर चिली में ऐसे पत्थर होते हैं, जिन्हें तोड़ने पर उनके अंदर से खून बहने लगता है। इन पत्थरों का नाम प्यूरा चिलीनसिस रखा गया है। इन्हें दुनिया भर में 'लिविंग रॉक' के नाम से जाना जाता है। दरअसल, इन पत्थरों के भीतर प्यूरा नामक जीव होता है, जो आमतौर पर चिली और पेरू के समुद्र तटों पर रहता है। ये समुद्र के पानी को सोखकर उससे अपना भोजन ग्रहण करते हैं। तुम्हें ये जानकर और अधिक हैरानी होगी कि इन पत्थरों के भीतर जो जीव रहता है, वो जन्म के समय नर होता है मगर विकसित होने के साथ-साथ इसका लिंग बदलकर मादा हो जाता है।

तारों से भरा दिखता है समुद्र

यूं तो समुद्र काफी खूबसूरत होता है। पर मालदीव्स का 'वाधू' द्वीप सबसे ज्यादा खूबसूरत द्वीपों में से एक माना जाता है। यहां रात होते ही ऐसा लगता है मानो समुद्र के किनारे तारे बिछ गए हों। इस अद्भुत नजारे को देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। इसे धरती का स्वर्ग भी कहा जाता है। वैज्ञानिक बताते हैं कि रात को तारों की तरह चमक आती है 'फाइटोप्लांकटन' के कारण। ये माइक्रोब्स होते हैं, जो रात में नीली रोशनी की तरह चमकते हैं। दूर से देखने पर ऐसा लगता है जैसे समुद्र किनारे नीली लाइटिंग कर दी गई हो।

बड़े पेड़ को भी गिरा सकता चिड़िया का घोंसला!

शायद ही आप कल्पना कर पाएं कि चिड़िया का घोंसला भी पेड़ों के लिए खतरा हो सकता है। लेकिन गौरेया प्रजाति की एक चिड़िया ऐसा घोंसला बनाती है जो किसी विशाल पेड़ को गिरा सकता है? निश्चित ही आप इस पर विश्वास नहीं कर पा रहे होंगे। वास्तव में अफ्रीका में पाई जाने वाली चिड़ियों की एक प्रजाति का सामाजिक ताना बाना इतना सघन होता है और वे मिलकर इतने विशाल घोंसले का निर्माण करती हैं कि कई बार पेड़ उसके भार से गिर जाते हैं। अफ्रीका के दक्षिणी हिस्से में पाई जाने वाली गौरेया प्रजाति की यह चिड़िया झुंड में रहते हुए अपने लिए एक ही घोंसला बनाती है। ठीक वैसे ही जैसे इंसान कॉलोनी बसाते हैं। एक घोंसले में 500 चिड़ियों का समूह रह सकता है। इन घोंसलों के आकार का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसका वजन 900 किलो से भी ज्यादा हो सकता है। कई बार इन घोंसलों की लंबाई 20 फुट और चौड़ाई 13 फुट तक होती है। इसकी मोटाई भी सात फुट तक होती है। सोशल वीवर यानी सामाजिक बुनकर नाम से जानी जाने वाली ये चिड़ियाएं घोंसले के अंदर घास, पंख और रूई इत्यादि का उपयोग कर अलग-अलग कमरों का निर्माण करती हैं। सर्दियों में एक कमरा तीन से चार पक्षियों को गर्म स्थान प्रदान करता है। बारिश का पानी भी घोंसले में नहीं ठहरता। इन चिड़ियाओं के घोंसले की एक और बात बेहद दिलचस्प है, वो यह है कि घोंसले के अंदर बने कमरे कभी भी आपस में जुड़े नहीं होते। हर कमरे में जाने का अलग रास्ता होता है। इस तरह बड़े झुंड में इन चिड़ियाओं के रहने का एक मुख्य कारण सुरक्षा है। झुंड में रहने से किसी शिकारी का खतरा कम होता है।

इंद्रधनुष सरीखा पेड़

पेड़ के तने पर अक्सर लोग कुछ लिख देते हैं या उसकी छाल हटा देते हैं। लेकिन अगर किसी पेड़ का तना ऐसा हो, मानो उस पर इंद्रधनुष बना हो, तो तुम उसका क्या करोगे! ऐसा पेड़ ब्रिटेन में है। इसका नाम यूकालिप्टस डेगलप्टा है। यह काफी लंबा पेड़ होता है। इस पेड़ का प्रयोग कागज बनाने में किया जाता है। इसके रंग देखकर लगता है जैसे इसे पेंट किया गया हो, पर इसके ये रंग बिल्कुल असली हैं। इस पेड़ के तने पर नीला, हरा, पीला, लाल, पर्पल रंग मिक्स दिखाई देता है।

फूलों से भर जाता है रेगिस्तान

रेगिस्तान के बारे में कहा जाता है कि वहां कैक्टस जैसे पौधे ही पनपते हैं, जिन्हें पानी की बहुत कम आवश्यकता होती है। ऐसे में अगर हम यह कहें कि दुनिया में एक ऐसा रेगिस्तान भी है, जो साल के कुछ महीनों में फूलों से भर जाता है, तो क्या तुम इसे सच मानोगे? मानो या नहीं, पर ये सच है। इस रेगिस्तान का नाम अटाकामा है और यह चिली में है। जिस साल औसत से अधिक वर्षा होती है, उस साल सितंबर से नवंबर माह के बीच इस रेगिस्तान में कई रंगों के फूल खिल जाते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि अधिक बारिश से जमीन के भीतर दबे बीजों तक पानी पहुंच जाता है और वे बाहर निकलकर खिल उठते हैं। जिस भी साल ये रेगिस्तान फूलों से भरता है, उस साल इसे देखने के लिए भारी संख्या में सैलानी चिली पहुंचते हैं। जिन लोगों ने इसे देखा है वे बताते हैं कि इसे देखना उनके लिए किसी चमत्कार से कम नहीं था। दूर-दूर तक फैली रेत और पत्थरों के बीच ऐसा लगता है जैसे किसी ने रंगों से भरा कारपेट बिछा दिया हो।

झील ऐसी जो जला दे...

नेट्रोन झील, तंजानिया में है। केन्या बॉर्डर यानी अफ्रीका के बॉर्डर से लगती ये झील पूरी दुनिया में अपने तापमान को लेकर चर्चा में रहती है। इस झील का तापमान 60 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहता है और इसके पानी में सोडा व नमक की मात्रा भी काफी अधिक है। इसीलिए यह जंगली जानवरों व पक्षियों के जीवन के लिए उपयुक्त नहीं मानी जाती। कहते हैं यहां एक बार छलांग लगाने वाला जीव सख्त पत्थर में परिवर्तित हो जाता है। अभी भी इस झील व इसके आसपास ऐसे कई जीवों के पत्थरनुमा शरीर देखे जा सकते हैं।

रेत में बिखरे हैं रंग ही रंग

चीन में डेंक्सिया लैंडफॉर्म नाम की ऐसी जगह है, जहां की रेत और पत्थर रंग-बिरंगे हैं। छोटे आकार वाले पत्थरों और लाल रंग की रेत की पूरी श्रृंखला सी बन गई है यहां पर। आरंभ में तो ऐसा लगता है जैसे किसी ने पत्थरों को कई रंगों में रंग दिया हो, पर इनके ये रंग प्राकृतिक हैं। यहां छोटे-छोटे पहाड़ मुख्य रूप से दक्षिण चीन में दूर-दूर तक फैले हैं। काफी पुराना होने के कारण इनके बीच दर्रे बन गए हैं, जो समय के साथ और गहरे हो गए हैं। तुम्हें ये जानकर हैरानी होगी कि इस श्रृंखला के बीच-बीच में गुफाएं भी हैं। साल 2010 में दक्षिण चीन के इस चीन डेंक्सिया में कई गुफाओं को वर्ल्ड हेरिटेज साइट के तहत चुना गया था। वैज्ञानिकों का मानना है कि तकरीबन 80 मिलियन यानी 800 लाख साल पहले लाल रंग की रेत धरती पर मौजूद थी। लेकिन जब धरती पर काफी परिवर्तन आए, उस प्राकृतिक बदलाव में लाल रंग की रेत भी धरती में दबती चली गई। इसके बाद 150 लाख साल पहले धरती के भीतर टेक्टोनिक प्लेट में हुई हलचल से काफी कुछ बदल गया। इसके हजारों साल बाद हिमालयन रेंज में अचानक बदलाव आने से ये रेत बाहर आ गई। ये रेत करीब 290 स्क्वायर किलोमीटर के क्षेत्र में फैली हुई है।

डब्ल्यूपीएल 2024 : पहली बार फाइनल में पहुंची आरसीबी, मुंबई को 5 रनों से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में महिला प्रीमियर लीग के तहत खेले गए एलिमिनेटर मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इतिहास रचते हुए मुंबई इंडियंस को 5 रन से हराकर फाइनल में जगह बना ली है। आरसीबी पहली बार महिला प्रीमियर लीग का फाइनल खेलेगी। मुकाबले की बात करें तो आरसीबी ने पहले खेलते हुए एलिसा पेरी के 66 रनों की बदौलत 135 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी मुंबई की शुरूआत सधी हुई रही। मध्यक्रम में नेट ब्रंट ने 23 कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 30 तो अमेलिया केर ने 27 रन बनाए लेकिन आखिरी ओवरों में गिरी विकेट के कारण वह जीत हासिल करने से चूक गईं।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु महिला : 135/6 (20 ओवर)

आरसीबी की कप्तान स्मृति ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी लेकिन वह प्रदर्शन नहीं कर पाई। स्मृति मंधाना 10 तो सोफिया डिवाइन 10 रन बनाकर आऊट हो गई। दिशा 0 तो ऋचा घोष जब 14 रन बनाकर आऊट हो गई तो एलिसा पेरी ने एक छोर संभाल लिया और शॉट लगाने जारी रखे। उन्होंने 50 गेंदों पर 8 चौके और एक छक्के की मदद से 66 रन बनाए। बेंगलुरु की ओर से निचले क्रम में सोफिया ने 11 तो जॉर्जिया ने 10 गेंदों पर 18 रन बनाकर स्कोर 135 तक पहुंचाया।

मुंबई की ओर से गेंदबाजी करते हुए हेले मैथ्यूज ने 18 रन देकर 2, नेट ब्रंट ने 18 रन देकर 2 तो सैका ने 27 रन देकर 2 विकेट लीं।

मुंबई इंडियंस महिला : 130/6 (20 ओवर)

जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई ने सधी हुई शुरूआत की। ओपनर यस्तिका भाटिया ने 27 गेंदों पर 19 तो हेले मैथ्यूज ने 14 गेंदों पर 15 रन बनाए। नेट ब्रंट ने 17 गेंदों पर 23 तो कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 33 रन बनाकर पारी को आगे बढ़ाया। लेकिन आखिरी ओवरों में मुंबई ने साजना 1, पूजा 4 के जल्दी ही विकेट गंवा लिए। बढ़ती नेट रन रेट के अगे अमेलिया केर भी असहाय नजर आई। उन्होंने 25 गेंदों पर 27 रन जरूर बनाए लेकिन टीम जीत नहीं पाई। बेंगलुरु की ओर से श्रेयांका पटेल ने 16 रन देकर 2 तो एलिसे पेरी, सोफिया, जार्जिया और आशा ने 1-1 विकेट लीं।

लोकसभा चुनाव के चलते दुबई में ट्रांसफर हो सकता है आईपीएल, इस फैसले ने दिया ईशारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सीजन को भारत में अप्रैल और मई के महीनों में होने वाले भारतीय आम चुनावों के कारण संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में ट्रांसफर किया जा सकता है। वैसे भी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अभी तक टूर्नामेंट के पहले 21 मैचों का शेड्यूल ही घोषित किया है। बताया जा रहा है कि अभी बीसीसीआई अधिकारी आईपीएल 2024 के दूसरे भाग को यूएई में स्थानांतरित करने की संभावना तलाशने के लिए दुबई में हैं।

रिपोर्ट सामने आ रही है कि आईपीएल टीमों ने खिलाड़ियों को अपने पासपोर्ट जमा करने के लिए कहा है। यह सीधा संकेत देता है कि वीजा संबंधी कार्यों के चलते ऐसा किया जा सकता है। बीसीसीआई फिलहाल आम चुनावों की तारीख को देख रहा है। अगर शैड्यूल फिट नहीं बैठेगा तो आईपीएल यूएई में ट्रांसफर किया जाएगा। इससे पहले 2009 में लोकसभा चुनावों के कारण पूरा आईपीएल दक्षिण अफ्रीका में करवाया गया था। ऐसी ही स्थिति 2019 में बनी थी तब टूर्नामेंट का पहला भाग यूएई में करवाया गया था।

यही नहीं, साल 2020 में पूरा आईपीएल कोविड के कारण संयुक्त अरब अमीरात में करवाया गया था। 2021 आईपीएल का दूसरा भाग भी ऐसा ही हुआ। कोविड हटा तो साल 2023 में पूरा आईपीएल भारतीय सरजमीं पर ही करवाया गया। बहरहाल, टूर्नामेंट का पहला मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच 22 मार्च को चेन्नई में खेला जाएगा। बीसीसीआई ने फिलहाल 7 अप्रैल तक के कार्यक्रम की घोषणा की है, जिसमें सभी टीमें कम से कम चार मैच खेलेंगी और कुछ को पांच मैच भी खेलने होंगे।

धोनी आईपीएल के बीच में ही छोड़ सकते हैं कप्तानी : रायडू

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने कहा है चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल के बीच में ही कप्तानी छोड़कर किसी अन्य खिलाड़ी को ये जिम्मेदारी दे सकते हैं। सीएसके के लिए पिछले सत्र में अच्छा प्रदर्शन करने वाले रायुडू का मानना है कि भविष्य को देखते हुए माही आईपीएल के दौरान किसी युवा को चेन्नई का कप्तान बना सकते हैं।

पिछले सत्र में अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को सीएसके का कप्तान बनाया गया था पर लगातार असफल होने के कारण उन्होंने बीच में ही कप्तानी छोड़ दी थी। उसके बाद से ही ये जिम्मेदारी धोनी संभाल रहे हैं। उनकी कप्तानी में सीएसके को साल 2023 में पांचवीं बार खिताब मिला था।

रायुडू ने कहा ,'इंपैक्ट प्लेयर नियम के जरिए धोनी बीच के ओवरों में किसी और को कप्तानी सौंप सकते हैं। यह साल सीएसके के लिए बदलाव वाला हो सकता है। अगर यह उनका आखिरी साल है , अगर वह कुछ साल और खेलते हैं तो वह कप्तान बने रहेंगे। जहां तक मेरी बात है, मैं चाहूंगा कि वही कप्तान रहें।' धोनी ने हाल ही में फेसबुक पोस्ट में संकेत दिया था कि इस साल आईपीएल में वह नई भूमिका में होंगे। वहीं रायुडू इस सत्र में कमेंटेटर के तौर पर नजर आयेंगे। रायडू ने पिछले साल खेल के सभी प्रारुपों से संन्यास ले लिया था।

आईपीएल 2024 में विराट कोहली के पास इतिहास रचने का मौका, बस ये काम करके बन जाएंगे पहले भारतीय बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के पास आईपीएल 2024 में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम करने का बड़ा मौका है। आईपीएल के 17वें सीजन की शुरुआत 22 मार्च से होगी और पहले ही मुकाबले में आरसीबी की सामना डिफेंडिंग चैंपियन सीएसके के साथ होगा। इस मैच में कोहली को महज 6 रन बनाने हैं और वो इतिहास रच देंगे।

कोहली इस लीग के एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जो पिछले 16 सीजन से सिर्फ आरसीबी के लिए खेल रहे हैं। उनके नाम पर इस लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने का साथ ही सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड भी दर्ज है। यही नहीं उनके नाम पर एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने का कीर्तिमान भी दर्ज है और साल 2016 में 973 रन बनाकर उन्होंने ये उपलब्धि अपने नाम दर्ज की थी, लेकिन अब टी20 प्रारूप में वह भारत की तरफ से 12,000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बनने के बिलकुल पास हैं।

आईपीएल के 17वें सीजन में 6 रन बनाते ही विराट कोहली टी20 क्रिकेट में अपने 12,000 रन पूरे कर लेंगे और वह क्रिकेट के इस फॉर्मेट में रन के इस आंकड़े को छूने वाले पहले खिलाड़ी बन जाएंगे।

विराट कोहली ने टी20 में अब तक कुल 11994 रन बनाए हैं। विराट कोहली ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 4037 रन बनाए हैं तो वहीं आईपीएल में 7263 रन उनके नाम पर दर्ज है। भारत की तरफ से इस वक्त विराट कोहली टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हों तो वहीं रोहित शर्मा उनके बाद दूसरे स्थान पर हैं।

टी20 में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप 5 बल्लेबाज

विराट कोहली-11,1194 रन, रोहित शर्मा-11,156 रन, शिखर धवन- 9,465 रन, सुरेश रैना-8654 रन, केएल राहुल- 7066 रन.

अब समय बेकार नहीं कर पायेगी गेंदबाजी टीम , स्टॉप क्लॉक नियम होगा लागू

दुबई ।अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने समय की बर्बादी को रोकने के लिए एकदिवसीय और टी20 में स्टॉप क्लॉक नियम को लाने का फैसला किया है। आईसीसी ने कहा है कि परीक्षण अवधि में सफल होने पर स्टॉप क्लॉक नियम को स्थायी रूप से लागू किया जाएगा। इस नियम को इसलिए लगाया गया है जिससे कि बीच में होने वाली समय की बर्बादी को रोका जा सके। ये नियम शुरू में दिसंबर 2023 में ट्रॉयल के आधार पर पेश किया गया था।इसे अब टी20 अंतराष्ट्रीय और एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय सहित सभी सफेद गेंद वाले क्रिकेट में लागू करने की सहमति आईसीसी ने दे दी है। स्टॉप क्लॉक नियम के अनुसार फील्डिंग टीम को एक ओवर समाप्त होने के बाद अगला ओवर 60 सेकेंड करीब एक मिनट के अंदर शुरू करना होता है।ओवर समाप्त होते ही स्टॉप वॉच ऑन हो जाएगी और फिर 60 सेकेंड के अंदर टीम को दूसरा ओदवर शुरू करना होगा। वहीं अगर गेंदबाजी करने वाली टीम ऐसा नहीं कर पाती है तो उन पर पेनल्टी लगती है।इस गलती के कारण फील्डिंग टीमों पर पांच रनों तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।इससे पहले उन्हें दो बार चेतावनी भी मिलती है।सभी आईसीसी सफेद गेंद प्रारुप के लिए नियम को लागू किया जाएगा।

रणजी में सबसे अधिक रन बनाने वाले पांच खिलाड़ियों में रिकी भुई सहित चार युवा शामिल रहे

नई दिल्ली ।रणजी ट्रॉफी में इस बार युवा खिलाड़ी छाये रहे हैं।इस बार टूर्नामेंट में रिकी भुई , सचिन बेबी सहित चार युवा खिलाड़ियों ने सबसे अधिक रन बनाए हैं। अनुभवी खिलाड़ियों की बात करें तो केवल चेतेश्वर पुजारा ही एकमात्र अनुभवी खिलाड़ी रहे जो अधिक रन बना पाये।वहीं हैरानी की बात ये है कि सबसे अधिक रन बनाने वालो में विजेता टीम मुम्बई का कोई भी खिलाड़ी शामिल नहीं है।इस सत्र में सबसे अधिक रन भुई के नाम रहे।भुई ने इस सत्र में 900 से भी अधिक रन बनाए हैं।.भुई ने आंध्र प्रदेश की ओर से खेलते हुए 13 पारियों में कुल 902 रन बनाए हैं।उनका 75 के औसत से सबसे अधिक स्कोर 175 रन रहा है।इस दौरान इस बल्लेबाज ने 4 शतक और 3 अर्धशतक लगाए हैं।वहीं इस सत्र में दूसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी सचिन बेबी हैं।सचिन बेबी ने इस सत्र में 800 से भी अधिक रन बनाए हैं।सचिन ने केरल की ओर से खेलते हुए 12 पारियों में कुल 830 रन बनाए हैं।उनका उच्चतम स्कोर 131 रन का रहा था।वहीं औसत करीब 83 के आस पास का रहा है।

बीसीसीआई रणजी खिलाड़ियों के लिए मैच फीस दोगुनी या तिगुनी करे : गावस्कर

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि रणजी ट्रॉफी में खेलने वाले खिलाड़ियों की मैच फीस को बढ़ाकर दो से तीन गुना किया जाना चाहिए।हाल में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने रणजी खिलाड़ियों की मैच फीस बढ़ायी है पर गावस्कर इसे पर्याप्त नहीं मानते। उन्होंने बीसीसीआई से कहा कि इसे दुगनी या तिगुनी करे। गावस्कर ने कहा, अगर रणजी ट्रॉफी की फीस दोगुनी या तिगुनी की जा सकती है, तो अधिक से अधिक खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी खेलना चाहेंगे।साथ ही कहा कि रणजी ट्रॉफी की फीस अधिक होने पर सभी खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट खेलना चाहेंगे।गावस्कर ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट चलता रहेगा पर भविष्य में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज अब कम ही होगी।हो सकता है कि हर देश के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज केवल दो या तीन देश ही पांच टेस्ट खेल सकते हैं.' गावस्कर ने इसके बाद इंसेटिंव स्कीम का उदाहरण देते हुए कहा, जैसा कि भारतीय टीम के कोच राहुल द्रविड़ ने धर्मशाला टेस्ट के बाद कहा था कि इंसेंटिव स्कीम टेस्ट खेलने वाले खिलाड़ियों के लिए एक ईनाम की तरह है।ऐसे में बीसीसीआई से मैं यह अनुरोध करूंगा कि रणजी खेलने वाले खिलाड़ियों के लिए भी कुछ ऐसी ही योजना लाई जाए।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पेरिस ओलंपिक की तैयारियों का अच्छा अवसर मिलेगा: हरमनप्रीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि अगले माह पांच मैचों की सीरीज के लिए होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे से उनकी टीम को अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने का अवसर मिलेगा। हरमनप्रीत का मानना है कि आगामी पेरिस ओलंपिक में जीत के लिए उनकी टीम को कई क्षेत्रों में सुधार की जरुरत है। हरमनप्रीत ने कहा कि पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के लिए उनकी टीम में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम ने अंतिम बार 34 साल पहले साल 1980 में मास्को ओलंपिक में स्वर्ण जीता था। उसके बाद से ही टीम इसके करीब भी नहीं पहुंच पायी। टोक्यो ओलंपिक में हालांकि टीम ने कांस्य पदक जीतकर पदक का लंबा इंतजार खत्म किया था।

हरमनप्रीत ने कहा कि अगर हम टीम के प्रदर्शन पर ध्यान दें तो यह अच्छा है। हम अतिआत्मविश्वास में नहीं हैं पर हम सभी बड़ी टीमों को कड़ी चुनौती दे रहे हैं। हमारी टीम आत्मविश्वास से भरी है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना है। इसके अलावा हम किसी अन्य चीज पर विचार नहीं कर रहे हैं। हमारा कोई अन्य लक्ष्य नहीं है।

भारतीय टीम ने पिछले साल एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में जीत दर्ज करने के बाद एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीत कर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था। इसके बाद उसने एफआईएच प्रो लीग में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। भारतीय टीम इस लीग में आठ मैच में 15 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रही। हरमनप्रीत ने कहा कि प्रो लीग के सभी मैच कठिन थे, लेकिन हमने अच्छा प्रदर्शन किया। हमने इन मैचों से काफी कुछ सीखा और टीम ने काफी सुधार किया। कुल मिलाकर हमने अच्छा प्रदर्शन किया।

ऋषभ , बुमराह ओर कमिंस सहित आईपीएल में वापसी करेंगे ये सात दिग्गज

मुम्बई ।इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2024 सत्र से इस बार ऋषभ पंत , जसप्रीत बुमराह सहित सात स्टार खिलाड़ी वापसी कर रहे हैं।इससे इस लीग का आकर्षण भी बढ़ना तय है। लीग के वापसी कर रहे इन खिलाड़ियों में के अलावा श्रेयस अय्यर, केन विलियम्सन पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जॉनी बेयरस्टो जैसे नाम शामिल हैं।इन खिलाड़ियों की वापसी से सबसे ज्यादा लाभ कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को होगा। केकेआर के दो खिलाड़ी उसे वापस मिले जाएंगे।इसमें श्रेयस अय्यर और मिचेल स्टार्क हैं। विकेटकीपर बैटर ऋषभ कार हादसे के करीब 15 महीने बाद मैदान पर वापसी करेंगे। ऋषभ पिछले आईपीएल से बाहर रहे थे।ऐसे में उनके दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करने की उम्मीद है। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी फिट नहीं होने के कारण आईपीएल के पिछले सत्र से बाहर रहे थे।इस बार वह बेहतरीन लय में नजर आ रहे हैं।बुमराह ने हाल ही में खत्म हुई भारत-इंग्लैंड सीरीज में 19 विकेट लिए थे।केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर भी एक साल के बाद आईपीएल में खेलेंगे। उनकी वापसी से टीम की बल्लेबाजी बेहतर होगी।अय्यर पिछले साल चोट के कारण आईपीएल नहीं खेल पाए थे।वहीं ऑस्टेलिया के मिचेल स्टार्क इस बार केकेआर की ओर से खेलते दिखेंगे। केकेआर ने स्टार्क को 24.75 करोड़ रुपए में खरीदा है। स्टार्क 8 साल बाद आईपीएल में लौटे हैं।ऑस्टेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस भी आईपीएल में एक साल बाद लौट रहे हैं।कमिंस ने गत वर्ष व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए आईपीएल से नाम वापस ले लिया था।इस बार वह सनराइजर्स हैदराबाद ने की ओर से खेलते हुए नजर आयेंगे।कमिंस को 20.50 करोड़ रुपए में खरीदा है और उन्हें कप्तान भी बनाया है।वहीं न्यूजीलैंड के केन विलियम्सन के लिए आईपीएल 2023 अच्छा नहीं रहा था।विलियम्सन तब चोटिल होने के कारण वे पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए।इस बार वे फिट हैं और गुजरात टाइटंस की ओर से खेलने के लिए तैयार हैं।इसके अलावा इंग्लैंड के जॉनी बेयरस्टो भी आईपीएल 2023 में पंजाब किंग्स के लिए नहीं खेल पाए थे।उन्होंने लीग से ठीक पहले सर्जरी कराई थी और रिकवरी के लिए उन्हें मैदान से बाहर रहना पड़ा था पर इस बार वह फिट हैं और खेलने के लिए तैयार हैं।

हार्दिक को लेकर प्रवीण ने बीसीसीआई पर निशाना साधा, वह चांद से नहीं आया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर प्रवीण कुमार ने आईसीसी अनुबंध को लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर पक्षपात का आरोप लगाय है। प्रवीण ने कहा एक ओर से घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने पर ईशान किशन और श्रेयस अय्यर को बाहर कर दिया गया है। वहीं ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को अनुबंध सूची में बरकरार रखा है जबकि पंड्या भी घरेलू क्रिकेट नहीं खेलते हैं। पूर्व तेज गेंदबाज प्रवीण ने तंज कसते हुए कहा कि पंड्या कोई चांद से उतर के नहीं आया है।

प्रवीण ने कहा, पंड्या क्या चांद से उतर के आया है। अन्य लोगों की तरह ही उन्हें भी घरेलू क्रिकेट खेलना होगा। उनके लिए कोई अलग नियम नहीं रखा जा सकता। बीसीसीआई को अपनी इस नीति का कारण भी बताना होगा। साथ ही सवाल किया कि पंड्या केवल घरेलू क्रिकेट में टी20 टूर्नामेंट ही क्यों खेलेंगे? उन्हें टेस्ट और टी20 सहित हर प्रारुप में खेलना होगा।

पंड्या ने भारतीय टीम की ओर से छह साल से टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है। उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट इंग्लैंड के खिलाफ साल 2018 में खेला था। इसके बाद से ही वह टेस्ट मैच से बाहर हैं। वह केवल भारतीय टीम की ओर से टी20 और एकदिवसीय मैच में भाग लेते हैं। घरेलू क्रिकेट की बात करें तो वह केवल 20 ओवर के मैच में हिस्सा लेते हैं। हाल में ही उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में अपनी टीम की ओर से खेला था। पंड्या ने अब तक भारत की ओर से कुल 92 टी20 मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने कुल 1348 रन बनाये हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 71 का रहा है। वहीं गेंदबाजी करते हुए हार्दिक ने 92 मैचों की 82 पारियों में कुल 73 विकेट लिए हैं।

आईपीएल में अवसर नहीं मिलने से निराश नहीं हैं मुशीर खान

मुम्बई ।अंडर-19 विश्वकप क्रिकेट के बाद रणजी ट्रॉफी में भी शानदार प्रदर्शन करने वाले युवा बल्लेबाज मुशीर खान ने कहा है कि आईपीएल निलामी में नहीं बिकने से निराश नहीं है।मुशीर का मानना है कि इससे भी उन्हें इस प्रारुप को समझने के लिए पर्याप्त समय मिल गया है।जिसका आने वाले समय में लाभ ही होगा।मुशीर ने पिछले कुछ सममय में अपने प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। इस क्रिकेटर ने रणजी ट्राफी फाइनल में भी शतक लगाकर मुम्बई की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।इस युवा क्रिकेटर का कहना है कि वह आने वाले समय में आईपीएल में भी बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगे। मुशीर ने कहा, ''मेरा नाम आईपीएल में नहीं है पर में इससे परेशान नहीं हूं। मेरे पिता ने मुझे कहा कि टेस्ट क्रिकेट और टीम इंडिया के लिए खेलो।आईपीएल बाद में खेलने का अवसर मिल जाएगा।''

आरसीबी की पुरुष टीम के साथ जो होता है उससे मेरा कोई संबंध नहीं : स्मृति मंधाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की कप्तान स्मृति मंधाना रविवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले महिला प्रीमियर लीग फाइनल से पहले अपनी टीम पर ज्यादा दबाव नहीं डालना चाहती और उनका कहना है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग में फ्रेंचाइजी की पुरुष टीम से तुलना करने के मूड में नहीं हैं। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की पुरुष टीम पिछले 17 साल में एक भी आईपीएल खिताब नहीं जीत पाई है लेकिन वह 3 बार उपविजेता (2009, 2011, 2016) रही है। लेकिन डब्ल्यूपीएल के दूसरे ही सत्र में मंधाना की अगुवाई वाली आरसीबी महिला टीम को खिताब जीतने का शानदार मौका मिल गया है।

मंधाना ने कहा कि पहले तो मुझे लगता है कि यह साल हमारे लिए पूरी फ्रेंचाइजी से जुड़ने के लिए काफी अहम था। पुरुष टीम के साथ जो हुआ, कभी कभार इससे दबाव होता है। इसलिये हम सिर्फ यही सोच रहे हैं कि हमने ज्यादा तनाव नहीं लेना है। पुरुष टीम के साथ क्या हुआ, हमें उससे कुछ लेना देना नहीं है।

आरसीबी के लिए डब्ल्यूपीएल का पहला सत्र इतना अच्छा नहीं रहा था जिसमें टीम लीग तालिका में चौथे स्थान पर रही थी। लेकिन मंधाना का मानना है कि वर्तमान में रहना अहम है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट ने जो सिखाया है, उसके अनुसार वर्तमान में रहना अहम है। यह मैच के दिन अच्छा क्रिकेट खेलने के बारे में हैं और कल के मुकाबले में जो भी टीम अच्छा करेगी खिताब जीतेगी। मंधाना फाइनल की प्रतिद्वंद्वी टीम की कप्तान मेग लैनिंग का बहुत सम्मान करती हैं लेकिन उन्हें लगता है कि कप्तान हमेशा टीम के जितना ही अच्छा होता है।

मंधाना ने कहा कि हम कप्तान की भूमिका को बहुत अधिक तवज्जो देते हैं लेकिन कप्तान टीम के जितना ही अच्छा होता है। कल भी कुछ नहीं बदलेगा, हम दिल्ली कैपिटल्स की अच्छी टीम के खिलाफ खेलेंगे जिसने पिछले 2 सत्र में काफी अच्छा क्रिकेट खेला है। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा लैनिंग से प्रेरणा लेती हूं, वह बल्लेबाजी को बखूबी समझती है। उन्होंने मुझे सिखाया कि अन्य खिलाड़ियों से किस तरह प्रेरणा ली जाए। जब मैंने पदार्पण किया था तो लैनिंग आस्ट्रेलिया के शीर्ष स्कोरर थीं। उन्हें खेलते हुए देखना अच्छा लगता है।

लैनिंग ने उम्मीद जताई कि उनकी खिलाड़ी रविवार को टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलकर खिताब जीतेंगी जिससे वे पिछले साल चूक गए थे। दिल्ली कैपिटल्स पिछले साल फाइनल में मुंबई इंडियंस से हारकर उप विजेता रही थी। लैनिंग ने कहा कि हम कल के लिए अच्छी तरह तैयार हैं। यह शानदार मैच होगा। हम खिताब जीतने का मौका मिलने से उत्साहित हैं और मैदान में जाकर इसे जीतना चाहते हैं। हम टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना चाहते हैं।

उर्वशी रौतेला ने शेयर किया फिल्म जेएनयू का पोस्टर, बंगाल 1947- एन अनटोल्ड लव स्टोरी का भी सामने आया फर्स्ट लुक

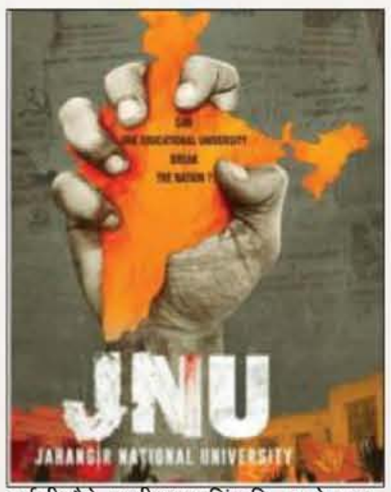

उर्वशी रौतेला की अपकमिंग फिल्म जेएनयू - जहांगीर नेशनल यूनिवर्सिटी का पोस्टर रिलीज हो चुका है। उर्वशी ने फिल्म का पोस्टर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। शेयर किए गए पोस्ट में भारत का नक्शा भगवा रंग में दिखाई दे रहा है। पोस्टर में दिखाए गए भारत के नक्शे को मुट्ठी से पकड़ने की कोशिश की जा रही है। पोस्टर रिलीज होने के बाद ये फिल्म सोशल मीडिया पर चर्चा में है। उर्वशी ने फिल्म के पोस्टर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा- शिक्षा की बंद दीवारों के पीछे, देश को तोड़ने की साजिश रची जा रही है, जैसे ही बाएं और दाएं टकराएंगे, वर्चस्व की यह लड़ाई कौन जीतेगा? महाकाल मूवीज प्रस्तुत करता है जहांगीर नेशनल यूनिवर्सिटी। फिल्म में रवि किशन और उर्वशी रौतेला लीड रोल में नजर आएंगे, जो यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट बनकर कहानी को बड़े पर्दे पर दिखाएंगे। वहीं इस फिल्म में उर्वशी रौतेला और रवि किशन के अलावा सिद्धार्थ बोडके, पीयूष मिश्रा, रश्मि देसाई, सोनाली सहगल और विजय राज जैसे एक्टर्स भी नजर आएंगे।

तरण आदर्श ने इस पोस्टर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- जेएनयू फिल्म का पहला पोस्टर आउट, 5 अप्रैल को फिल्म रिलीज हो रही है, शिक्षा की बंद दीवारों के पीछे देश को तोड़ने की साजिश रची जा रही है। टीवी शो 'साथ निभाना साथिया' फेम एक्ट्रेस देवोलीना भट्टाचार्जी ने इंस्टाग्राम पर बंगाल 1947- एन अनटोल्ड लव स्टोरी का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया है। यह फिल्म ऐतिहासिक विभाजन की पृष्ठभूमि पर बेस्ड होगी। पोस्टर को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, पार्टिशन ड्रामा बंगाल 1947 का फर्स्ट लुक। फिल्म में विभाजन के दौरान की एक लव स्टोरी दिखाई जाएगी। देवोलीना फिल्म में बतौर लीड एक्ट्रेस नजर आएंगी।

फिल्म बंगाल 1947 में देवोलीना भट्टाचार्जी के अलावा सोहेला कपूर, ओमकार दास मानिकपुरी, आदित्य लाखिया, अनिल रस्तोगी, प्रमोद पवार, अंकुर अरमाम, सुरभि श्रीवास्तव, फलक राही, विक्रम टीडीआर और अतुल गंगवार जैसे तमाम एक्टर्स शामिल हैं। फिल्म की 29 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। बता दें, दोनों ही फिल्में विवादित मुद्दे पर बनाई गई हैं। पोस्टर रिलीज होने के बाद से ही दोनों फिल्में सुर्खियों में छाई हुई हैं।

अमीषा पटेल ने कॉमेडियन स्नेहिल मेहरा दीक्षित की जमकर तारीफ

मैडनेस मचाएंगे-इंडिया को हंसाएंगे के नए एपिसोड में कॉमेडियन स्नेहिल मेहरा दीक्षित, केतन सिंह, गौरव दुबे और इंदर सहानी ने सभी का मनोरंजन किया। उन्होंने फिल्म गदर 2 में अपनी जानदार कॉमेडी से अमीषा पटेल का दिल जीत लिया। प्रत्येक कॉमेडियन ने अपनी भूमिका बहुत ही कुशलता से निभाई और सभी को हंसने पर मजबूर कर दिया। फिल्म गदर 2 में अभिनय करने वाली अभिनेत्री अमीषा पटेल ने एक्ट का जमकर आनंद लिया। उन्होंने स्नेहिल उर्फ बीसी आंटी की सराहना करते हुए कहा कि स्नेहिल, मैं आपकी बहुत बड़ी प्रशंसक हूं। मैंने सोशल मीडिया पर आपकी बहुत सारी सामग्री देखी है और आपके द्वारा की गई फिल्म समीक्षाएं भी देखी हैं। मैं वास्तव में उनका आनंद लेती हूं। स्नेहिल एक कंटेंट क्रिएटर हैं और उनका बीसी (भेरी क्यूट) आंटी नाम से इंस्टाग्राम अकाउंट है। अपहरण में अपने काम से पहचान बनाने वाली स्नेहिल ने कहा कि मेरी खुशी का कोई ठिकाना नहीं था जब अमीषा जी ने कहा कि वह मेरी प्रशंसक हैं। यह मेरे द्वारा अब तक अनुभव की गई सबसे अच्छी भावनाओं में से एक है। उन्होंने कहा कि मैं उनके काम और भारतीय फिल्म उद्योग में उनके योगदान की सच्ची प्रशंसक हूं। मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि मैं सभी को हंसाते रहने के लिए अपने अभिनय और हास्य को बनाए रखने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगी। मैडनेस मचाएंगे सोनी पर प्रसारित होता है।

खतरों के खिलाड़ी-14 के लिए रोहित शेट्टी ने बढ़ाई फीस

बिग बॉस 17 और झलक दिखला जा 11 खत्म होने के बाद अब दर्शकों को रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ड शो खतरों के खिलाड़ी के नए सीजन का बेसब्री से इंतजार है। खतरों के खिलाड़ी का इस बार 14वां सीजन आने वाला है। इस शो को लेकर लगातार नई अपडेट्स सामने आ रही हैं। अब तक इस शो को लेकर कई स्टार्स के नाम भी सामने आ चुके हैं। हालांकि, अभी तक शो में शामिल होने वाले स्टार्स के नाम की फाइनल लिस्ट सामने नहीं आई है। लेकिन इस शो के होस्ट रोहित शेट्टी को लेकर कहा जा रहा है कि उन्होंने शो के निर्माताओं से अपनी फीस बढ़ाने की डिमांड की है। रोहित शेट्टी इस वक्त खतरों के खिलाड़ी को लेकर खूब चर्चा में हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर खबरें आ रही हैं कि उन्होंने अपनी फीस को बढ़ाने की बात की है। बॉलीवुड लाइफ की रिपोर्ट के अनुसार रोहित ने खतरों के खिलाड़ी के इस सीजन यानी 14 को होस्ट करने के लिए मोटी रकम की डिमांड की है। रिपोर्ट के अनुसार रोहित ने अपनी फीस में 10 या 20 नहीं बल्कि पूरे 50% का इजाफा करने की बात कर रहे है। कथित तौर पर, रोहित इस शो के एक एपिसोड को होस्ट करने के लगभग 60 से 70 लाख रुपये चार्ज करेंगे। इस लिहाज से वो खतरों के खिलाड़ी के पूरे सीजन के लिए करीब 16 करोड़ रुपये से ज्यादा लेंगे। रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ड शो खतरों के खिलाड़ी 14 में शामिल होने को लेकर अब तक कई नाम सामने आ चुके हैं। बिग बॉस 17 फेम नील भट्ट का नाम भी शो में जाने को लेकर सामने आ रहा है। पिछले सीजन में नील की पत्नी ऐश्वर्या शर्मा इस शो का हिस्सा रही थीं। इसके अलावा विकी जैन अंकिता लोखंडे, मनीषा रानी, मुनव्वर फारूकी, मन्नारा चोपड़ा, अभिषेक कुमार, मानस्वी ममगई सहित कई नाम सामने आ चुके हैं। लेकिन अभी इन नामों पर मुहर नहीं लगी है।

जोया अख्तर की फिल्म द आर्चीज से अभिनय की शुरुआत करने वाली खुशी कपूर जल्द आमिर खान के बेटे जुनैद खान के साथ अभिनय करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह जोड़ी पहली बार तमिल फिल्म लव टुडे के हिंदी रीमेक के लिए स्क्रीन पर साथ काम करेगी बोनी कपूर की लाडली बेटी और जान्हवी कपूर की बहन खुशी कपूर, जोया अख्तर की फिल्म द आर्चीज से अपना अभिनय डेब्यू किया था।

आमिर के बेटे जुनैद के साथ स्क्रीन पर इश्क फरमाएंगी खुशी कपूर

खुशी कपूर डेब्यू के बाद से ही अपने अंदाज से दर्शकों का दिल जीत चुकी हैं। खुशी की सोशल मीडिया पर तगड़ी फैन फॉलोइंग है। जहां एक तरफ खुशी के फैंस उनकी हर एक अदा और एक्टिविटी पर प्यार लुटाते हैं। तो वहीं, ट्रोल्स कोई न कोई कमी निकालकर उन्हें ट्रोल भी करते हैं। हालांकि, इन सब के बीच अभिनेत्री के आगामी प्रोजेक्ट को लेकर एक बड़ी खबर आई है।

लव टुडे के हिंदी रीमेक में दिखेंगी खुशी

जोया अख्तर की फिल्म द आर्चीज से अभिनय की शुरुआत करने वाली खुशी कपूर जल्द आमिर खान के बेटे जुनैद खान के साथ अभिनय करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह

जोड़ी पहली बार तमिल फिल्म लव टुडे के हिंदी रीमेक के लिए स्क्रीन पर साथ काम करेगी, जिसमें प्रदीप रंगनाथन और इवाना ने अभिनय किया था। फैंस इस खबर को सुनकर काफी ज्यादा एक्साइटेड हैं। आइए जानते हैं कि बाकी अपडेट्स क्या है।

ओटीटी पर होगी रिलीज

अभिनेत्री फिलहाल नादानियां की शूटिंग कर रही हैं। यह सरजमीन के बाद सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान की दूसरी फिल्म है। यह फिल्म करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस ने निर्मित किया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो यह फिल्म डायरेक्ट-टू-ओटीटी रिलीज होगी और शाउना गौतम के निर्देशन की पहली फिल्म होगी।

इस फिल्म से किया था डेब्यू

बता दें कि फिल्म की आधिकारिक घोषणा का इंतजार है। यह बताया गया है कि फिल्म की शूटिंग इस गर्मी में शुरू होगी। बता दें कि खुशी कपूर की पिछली फिल्म द आर्चीज 2023 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी।

फिल्मों के मामले में खुद को खुशनसीब मानती हैं आलिया

आलिया भट्ट से जब पूछा गया कि वे अपनी हर फिल्म में अलग किरदार निभाती नजर आती हैं। आखिर वे अपने लिए इन अलग किरादरों का चुनाव कैसे कर लेती हैं। इस सवाल के जवाब में अभिनेत्री कहती हैं, मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे शुरू से ही अच्छी और अलग फिल्में करने को मिली हैं। आलिया भट्ट बॉलीवुड में किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपने छोटे से करियर में एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी हैं। सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं बल्कि हॉलीवुड और टॉलीवुड में भी वे अपने अभिनय का जलवा बिखेर चुकी हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान आलिया ने अपने करियर और फिल्मों के चुनाव के बारे में कई दिलचस्प खुलासे किए। आलिया भट्ट साल 2022 में एसएस राजामौली की फिल्म आरआरआर में नजर आई थीं। इस फिल्म में उन्होंने पहली बार साउथ सुपर स्टार राम चरण के साथ काम किया था। पिछले दिनों आलिया राजामौली के साथ अपने काम के अनुभवों को साझा करते हुए बोलीं, मुझे अक्सर अपनी फिल्मों को चुनने में काफी परेशानी होती है। मैं समझ नहीं पाती हूं कि किन फिल्मों को चुनूं और किन्हें नहीं। ऐसे में मैंने एसएस राजामौली से पूछा था कि मुझे किस तरह की फिल्में चुननी चाहिए तब उन्होंने कहा जो भी चुनो, बस प्यार से चुनो।

आलिया भट्ट अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, मैंने एसएस राजामौली की उस बात को गांठ बांध लिया। उन्होंने मुझसे यह भी कहा था कि चाहे फिल्म बढ़िया प्रदर्शन करे या नहीं अगर तुमने प्यार से अपना काम किया है तो दर्शकों को काम में तुम्हारा प्यार नजर आएगा और वे तुम्हारे काम को सराहेंगे।

खुद को मानती हैं लकी

आलिया भट्ट से जब पूछा गया कि वे अपनी हर फिल्म में अलग किरदार निभाती नजर आती हैं। आखिर वे अपने लिए इन अलग किरादरों का चुनाव कैसे कर लेती हैं। इस सवाल के जवाब में अभिनेत्री कहती हैं, मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे शुरू से ही अच्छी और अलग फिल्में करने को मिली हैं। मैंने कभी प्लान करके कोई काम नहीं किया है। अगर मुझे अच्छी फिल्में नहीं मिलती तो शायद मैं ऊब जाती क्योंकि अगर मुझे काम करने में मजा नहीं आए तो मैं काम नहीं करती हूं।

राम गोपाल वर्मा ने रखा राजनीति में कदम

जाने-माने निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने अपनी राजनीति में अपनी एंट्री की घोषणा कर दी है। आज गुरुवार, 14 मार्च को निर्देशक ने इसकी आधिकारिक घोषणा कर दी है। उन्होंने लोकसभा चुनाव से पहले राजनीति में कदम रखा है। आंध्र प्रदेश की पीथापुरम सीट से वह लोकसभा लड़ेंगे चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने अपने आधिकारिक एक्स से पोस्ट साझा कर इसकी खबर दी है। फिल्म डायरेक्टर राम गोपाल वर्मा ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट साझा कर अपनी खुशी जाहिर की है। उन्होंने अपने इस फैंसले को अचानक से लिया गया निर्णय बताया है। उन्होंने एक्स पर लिखा, अचानक लिया गया फैसला, मुझे ये बताते हुए खुशी हो रही है कि मैं पीथापुरम से चुनाव लड़ रहा हूं। हालांकि, अभी इस बात का खुलासा नहीं हुआ है कि वह किस पार्टी की तरफ चुनावी मैदान में उतरेंगे। बता दें कि राम गोपाल वर्मा के राजनीति में कदम रखने की खबर अभिनेता पवन कल्याण के उसी निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा चुनाव लड़ने के फैसले के बाद सामने आई। अभिनेता और जेएसपी प्रमुख पवन कल्याण को भी पीथापुरम सीट से लोकसभा चुनाव में मैदान में उतारा जाएगा।

रात जवान है में अंजलि और प्रिया संग स्क्रीन साझा करते दिखेंगे बरुण सोबती

बरुण सोबती टेलीविजन इंडस्ट्री के मशहूर नामों में से एक नाम हैं। बरुण ने अपने करियर की शुरुआत शो इस प्यार को क्या नाम दूं से किया था। दर्शक आज भी उन्हें अंगद के नाम से पहचानते हैं। पिछले दिनों वे वेब सीरीज असुर 2 में दिखाई दिए थे। इस शो में उन्होंने काफी सीरियस किरदार निभाया था। वहीं, अब मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो बरुण सोबती आने वाले दिनों में शो रात जवान है में नजर आने वाले हैं। इस शो में उनके साथ अंजलि आनंद और प्रिया बापट नजर आने वाले हैं।

रोमांटिक-कॉमेडी होगी रात जवान है

बरुण सोबती अक्सर सीरियस किरदारों में नजर आते हैं, लेकिन आने वाले शो रात जवान है में वे रोमांस और कॉमेडी करते दिखाई देने वाले हैं। यामिनी पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड ने बरुण के इस शो प्रोड्यूस किया है और इसके निर्देशक सुमीत व्यास हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो रात जवान है एक रोमांटिक कॉमेडी होने वाली है।

रात जवान है में बरुण सोबती, अंजलि आनंद और प्रिया बापट सहित कई जाने-माने सितारे नजर आने वाले हैं। दर्शकों में अभी से ही इस शो के लिए उत्साह देखने को मिल रहा है। शो के निर्देशक सुमित व्यास ने मीडिया से बातें करते हुए कहा, देखिए लोगों को लगता है कि मां-पिता बन जाने के बाद जवानी खत्म हो जाती है, लेकिन हम इस शो के जरिए इसी भ्रम को तोड़ने की कोशिश करेंगे। सुमित व्यास अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, शो रात जवान है तीन दोस्तों की कहानी है जो बच्चे होने के बाद भी अपनी दोस्ती के समय निकालते हैं और जिंदगी में पागलपन को बरकरार रखने की पूरी कोशिश करते हैं। बरुण, अंजलि और प्रिया के साथ काम करके मुझे बहुत मजा आ रहा है। उम्मीद है दर्शकों को भी यह शो पसंद आएगी। वहीं शो रात जवान है को दर्शक सोनी लिव ऐप पर देख पाएंगे।

सांसद ने किया नवनिर्मित सड़क निर्माण का शिलान्यास

नोएडा (चेतना मंच)। सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डा. महेश शर्मा ने कैलाश अस्पात, ग्रेटर नोएडा में क्षेत्रवासियों से मुलाकात की। सांसद अपने संसदीय क्षेत्र गौतमबुद्धनगर की दादरी विधानसभा के ग्राम कुलेसरा व शहदरा पुस्ता में विधायक दादरी तेजपाल नागर एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में 308.14 लाख रूपये से नवनिर्मित सड़क निर्माण का शिलान्यास किया।

सांसद ने अपने लोकसभा क्षेत्र गौतमबुद्धनगर की गुलशन बोटनिया हाउसिंग सोसाइटी एवं शाहदरा गांव में जनसंपर्क किया तथा भाजपा सरकार में हो रहे चहुमुखी विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। जनता का प्रधानमंत्री के प्रति अटूट विश्वास से यह निश्चित हो गया कि इस बार फिर से पूर्ण बहुमत से मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार बनने जा रही है।

कार्यक्रम के के दौरान संजय बाली, सांसद प्रतिनिधि, अभिषेक शर्मा, रोहित कुमार, सांसद प्रतिनिधि, महेष शर्मा, मण्डल अध्यक्ष, सादीराम नागर, मटरू नागर, राजेन्द्र प्रधान, प्रकाष शर्मा, जगत सिंह, हरिदत्त शर्मा, संजय चौहान, देवेन्द्र शर्मा, रवि श्रीवास्तव, दिक्षा जोशी, रतन स्वरूप, सरफराज अली, कपिल गुर्जर, राजेन्द्र सिंह, कपिल भाटी, विरेन्द्र भाटी, संजय चौहान, राधे शर्मा, समेत काफी संख्या में लोग उपस्थित रहें।

एमिटी विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

एमिटी हमेशा छात्रों को सपने हासिल करने में करती है सहायता : डॉ. अशोक चौहान

नोएडा (चेतना मंच)। एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ इर्न्फोमेशन टेक्नोलॉजी द्वारा रिलायबिलिटी, इन्फोकॉम टेक्नोलॉजीस और ऑप्टिमाइजेशन पर 11वें आईईईई अंर्तराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआरआईटीओ 2024) का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान, ईरान, इटली, कनाडा, दक्षिण अफ्रिका से सूचना प्रौद्योगिकी, दूरसंचार, सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर, एआई, बिग डाटा आदि क्षेत्र के शिक्षाविदों, शोधकर्ता और उद्यमीयों ने हिस्सा लिया।

इस सम्मेलन का शुभारंभ ब्रिक्स चेंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री के वाइस चेयरमैन, समीप शास्त्री, एमिटी शिक्षण समूह के संस्थापक अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध शिक्षाविद् डा अशोक कुमार चौहान, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज में रणनीति विकास के प्रमुख सौरभ अग्रवाल, आईआरएफ के संडक सुरक्षा राजदूत अखिलेश श्रीवास्तव, एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला और एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ इर्न्फोमेशन टेक्नोलॉजी की निदेशक डा रेखा अग्रवाल द्वारा किया गया।

छात्रों को संबोधित करते हुए, मुख्य अतिथि ब्रिक्स चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के उपाध्यक्ष समीप शास्त्री ने कहा कि यह समझना आवश्यक है कि हम प्रौद्योगिकी के माध्यम से समाज को कैसे बदल सकते हैं।

डिजिटल इंडिया आंदोलन ने आज हमारे कामकाज के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है, और प्रौद्योगिकी हमारे दैनिक जीवन का एक अभिन्न अंग है। हालाँकि, हमें प्रौद्योगिकी के उपयोग के फायदे और नुकसान को समझना चाहिए क्योंकि साइबर सुरक्षा और डेटा खतरा प्रमुख समस्याएं हैं जो प्रौद्योगिकी के उपयोग के कारण उभरी हैं।

एमिटी शिक्षण समूह के संस्थापक अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध शिक्षाविद् डॉ. अशोक कुमार चौहान ने अपने ज्ञान के शब्दों को साझा करते हुए कहा कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और नवाचार एमिटी के प्रमुख फोकस क्षेत्र हैं। प्रत्येक छात्र में सफलता की कहानी बनने की क्षमता होती है और एमिटी हमेशा अपने छात्रों को उनके सपने हासिल करने में सहायता करती है और उन्हें राष्ट्र-निर्माण के लिए काम करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

इस अवसर पर टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज में रणनीति और विकास के प्रमुख, सौरभ अग्रवाल, आईआरएफ के संडक सुरक्षा राजदूत अखिलेश श्रीवास्तव, एमिटी विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश की वाइस चांसलर प्रो. (डॉ.) बलविंदर शुक्ला, एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ इर्न्फोमेशन टेक्नोलॉजी की निदेशक डा रेखा अग्रवाल ने अपने विचार साझा किए।

परिषदीय स्कूलों की गुणवत्ता में जनपद को मिली पहली रैंक

ग्रेटर नोएडा। परिषदीय स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता को परखने के लिए शासन की ओर से बनाई गई जिला व ब्लॉक स्तरीय टीम को हर माह स्कूलों के निरीक्षण का लक्ष्य दिया गया है। लक्ष्य पूरा होने पर प्रदेश स्तर पर हर जनपद की रैकिंग की जाती है। फरवरी माह की सीएम डैश बोर्ड रिपोर्ट में जनपद की पहली रैंक आई है।

सभी 535 स्कूलों में निरीक्षण होने पर जनपद को ए प्लस मिला है। स्कूलों में लगातार हो रहे अधिकारियों के निरीक्षण से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार दर्ज किया जा रहा है। जिलाधिकारी से लेकर बेसिक शिक्षा अधिकारी स्कूलों में कायाकल्प से लेकर अन्य सुविधाओं को परखने को पहुंच रहे है। फरवरी में 100 प्रतिशत स्कूलों का निरीक्षण हुआ है।

हाल ही में निपुण हुए 110 से अधिक स्कूल

शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होने से हाल ही में जारी हुए परिणाम में जिले के 110 से अधिक स्कूलों को निपुण घोषित किया गया है। छात्रों को पढ़ाई के साथ ही कौशल का ज्ञान भी दिया जा रहा है। उन्हें सिलाई,कढ़ाई के साथ अन्य कौशल में भी निपुण बनाया जा रहा है।

जिलाधिकारी स्वयं निरीक्षण पर नहीं पहुंचने वाले अधिकारियों से सवाल जवाब करते है। स्कूलों में हर माह निरीक्षण होने से स्कूलों में शिक्षकों की जवाबदेही तय होती है। निरीक्षण लगातार होने से शिक्षक स्कूलों में समय से पहुंचने लगे है। पहले शिक्षक तय समय से एक से दो घंटे देर से स्कूलों में पहुंचते थे। अधिकारियों के स्कूलों में पहुंचने से शिक्षक अपनी समस्या भी उनके समक्ष रख पाते है, जिससे उनकी समस्याओं का भी समाधान हो जाता है।

कायाकल्प योजना के तहत स्कूलों में कार्य होने से सूरत भी बदली है। तीनों प्राधिकरणों को स्कूलों के कायाकल्प में विशेष योगदान देना होता है। इस योजना की निगरानी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से की जाती है। जनपद में 99.22 प्रतिशत स्कूलों में कायाकल्प के तहत कार्य हो चुके है।

ग्रेटर नोएडा के 19 गांव स्मार्ट विलेज की लिस्ट में शामिल

ग्रेटर नोएडा। यमुना प्राधिकरण ने अधिसूचित गांवों को स्मार्ट बनाने और उनके विकास के लिए अपना खजाना खोल दिया है। आगामी वित्त वर्ष 2024-25 में यमुना प्राधिकरण 19 गांवों को स्मार्ट बनाने पर 156 करोड़ रुपये खर्च करेगा। इसके साथ ही गांवों का संरचनात्मक ढांचा सुधारने पर 186.15 करोड़ रुपये खर्च करेगा।

प्राधिकरण ने स्मार्ट विलेज की सूची में नए गांव शामिल किए हैं। यमुना प्राधिकरण अभी तक 29 गांवों की जमीन को अपने मास्टर प्लान में प्रस्तावित सेक्टरों को विकसित करने के लिए अधिगृहीत या सहमति से क्रय किया है। पंचायती राज व्यवस्था समाप्त होने के बाद इन गांवों के विकास की जिम्मेदारी भी प्राधिकरण पर है।

प्राधिकरण ने गांवों के मौजूदा ढांचे के साथ ही उन्हें स्मार्ट विलेज के रूप में विकसित करा रहा है। इस सूची में अभी तक 19 गांव शामिल हो चुके हैं। प्राधिकरण ने 13 मार्च को हुई बोर्ड बैठक में गांव विकास के लिए बजट आवंटित कर दिया है।

प्राधिकरण ने चालू वित्त वर्ष में ग्राम विकास के लिए 129 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। इसमें से

प्राधिकरण मात्र 56.63 करोड़ रुपये खर्च कर सका है। इस वर्ष ग्राम विकास के लिए 186.15 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इसी तरह गांवों को स्मार्ट विलेज बनाने के लिए आगामी वित्त वर्ष में 156 करोड़ रुपये खर्च होंगे। चालू वित्त वर्ष में गांवों को स्मार्ट बनाने पर प्राधिकरण ने 68 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

प्राधिकरण ने आगामी वित्त वर्ष के लिए गांवों को स्मार्ट विलेज सूची में शामिल किया है। इसमें आच्छेपुर, उस्मानपुर, फतेहपुर अट्टा, चकबीरमपुर, कादरपुर, रबूपुरा, महमदपुर गुर्जर, चांदपुर, जगनपुर शामिल हैं।

स्मार्ट विलेज में डिजिटल लाइब्रेरी, इंटरलॉकिंग टाइल्स की सड़क, नाली, स्ट्रीट लाइट, सीवर, पानी की लाइन, ऑप्टिकल फाइबर लाइन, बारात या सामुदायिक केंद्र आदि शामिल हैं।

त्रैमासिक योग प्रशिक्षण शिविर संपन्न

योग सर्वांग सुन्दर बनाने की कला है : प्रवीण आर्य

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ द्वारा संचालित त्रैमासिक योग प्रशिक्षण शिविर का समापन कोट गांव, गाजियाबाद में केन्द्राध्यक्ष मंगल सिंह चौधरी के सानिध्य में संपन्न हुआ।

संस्थान की योग प्रशिक्षिका वन्दना तिवारी ने ओम की ध्वनि एवं गायत्री मंत्र से सत्र को प्रारम्भ किया उन्होंने साधकों को वार्मअप कर हाथों पैरों के सूक्ष्म अभ्यास कराए और इसके लाभों की चर्चा की और कहा करो योग रहो निरोग।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि योग सर्वांग सुन्दर बनाने की कला है। उन्होंने मुस्कुराने के तीन लाभ बताए तनाव मुक्त, युवा और सुन्दर बने रहते हैं। नियमित योग द्वारा आप स्वस्थ रहकर अंतर्मन में उस सत्तचित्त आनंद स्वरूप परमात्मा की अनुभूति कर आनंदित हो सकते हैं। उन्होंने हास्यासन एवं योग गीत सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

विशेष आमंत्रित जगवीर सिंह ने कहा कि नर सेवा नारायण सेवा है, इसलिए हमें जरूरतमंदों की तन मन धन से सेवा अवश्य करनी चाहिए।

श्रीमती गीता चौधरी ने श्वासो के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें इसका महत्त्व समझते हुए प्राणायाम करना चाहिए।

इस अवसर पर मुख्य रूप से अनिल गुप्ता,उषा चौहान,आशा गौस्वामी, वैद्य चौधरी राजेंद्र सिंह आर्य आदि उपस्थित रहे।

बसपा छोड़कर रालोद में शामिल हुए निशांत भाटी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। राष्ट्रीय लोकदल पार्टी की एक बैठक अवध ग्रीन ग्रेटर

नोएडा में सम्पन्न हुई। बैठक में बसपा पार्टी को छोड़कर सैकड़ों साथियों के साथ निशांत भाटी (मकोड़ा) ने राष्ट्रीय लोकदल पार्टी ज्वाइन की एवं मनोज चौधरी राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोनीत होने पर उनका स्वागत किया गया।

इस मौके पर निशांत भाटी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी एवं राष्ट्रीय लोकदल पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करूंगा एवं गौतमबुद्धनगर जिले में नवयुवकों को अधिक से अधिक संख्या में जोड़कर राष्ट्रीय लोकदल पार्टी को मजबूत करूंगा। राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज चौधरी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संगठन महामंत्री त्रिलोक त्यागी ने जो मुझ पर भरोसा जताया है मैं उस भरोसे पर खर उतारूंगा।

जिला अध्यक्ष जनार्दन भाटी ने कहा कि निशांत भाटी के आने से पार्टी को मजबूती मिलेगी। हम युवाओं को अधिक से अधिक संख्या में राष्ट्रीय लोकदल पार्टी से जोड़ेंगे। आने वाले दिनों में कांग्रेस, बसपा, सपा और उन राजनीतिक पार्टियों के कई बड़े नेता राष्ट्रीय लोकदल पार्टी ज्वाइन करेंगे। जिससे आने वाले दिनों में पार्टी जिले में और मजबूत होगी।

इस मौके पर इंद्रवीर भाटी अध्यक्ष मेरठ मंडल अजीत दौला प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज चौधरी राष्ट्रीय प्रवक्ता विजेंद्र यादव महानगर अध्यक्ष नोएडा रविंद्र भाटी श्रीमती हेमा पाठक हरवीर सिंह वीरेंद्र पूनिया जोगिंदर सिंह तालान सुबोध कुमार गोपाल जी वीरेंद्र मलिक गोपाल जसवीर भाटी नीरज शर्मा मुखिया रवि पहलवान दीपक नागर प्रधान सुधीर भाटी राजू प्रधान मास्टर जागीर सिंह एम एन सागवान गजेंद्र दरोगा आदि मौजूद थे।